



वर्ष-31 अंक : 58 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.13 2083 शुक्रवार, 29 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता



epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद ✽ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा

> आलाकमान ने जो कहा मैंने किया

> राज्यसभा सीट भी ठुकराई

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में गुरवार को बड़ा सियासी बदलाव दिखाई दिया। बीते कुछ दिनों से कांग्रेस शासित इस दक्षिणी राज्य में जारी अंदरूनी राजनीतिक उठापटक के एक अध्याय का समापन हो गया। ढाई-ढाई साल के सीएम के वादे पर बनी कर्नाटक सरकार में सिद्धारमैया ने अपने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि वह तय समय से छह महीने अधिक सीएम रहे. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका बकायदा ऐलान किया और कहा कि 'उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया है। आलाकमान ने मुझसे जो करने के लिए कहा-वह मैंने किया।'

राज्यसभा जाने के प्रस्ताव को ठुकराया
गुरवार शाम को इस्तीफे के तुरंत बाद उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी राजनीतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है. सिद्धारमैया ने कहा कि वह सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और राष्ट्रीय राजनीति में जाने या राज्यसभा का सदस्य बनने में उनकी कोई रुचि नहीं है। काफी समय से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद कांग्रेस



हाईकमान उन्हें दिल्ली की राजनीति में कोई बड़ी भूमिका दे सकता है, लेकिन सिद्धारमैया ने इन चर्चाओं को खारिज करते हुए साफ कहा कि उनका पूरा ध्यान कर्नाटक की राजनीति पर ही रहेगा। सिद्धारमैया ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले भी कई बार कहा था कि जब हाईकमान मुझसे इस्तीफा मांगेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। दो दिन पहले हाईकमान ने मुझसे

पद छोड़ने को कहा था। मैंने उन्हें कहा कि मैं आज इस्तीफा दे दूंगा, इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया।' उन्होंने बताया कि राज्यपाल बेंगलुरु में मौजूद नहीं थे, इसलिए उनका इस्तीफा राजभवन कार्यालय और राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया गया। सिद्धारमैया ने कहा, 'मुझे बताया गया है कि राज्यपाल आज रात तक लौट आएंगे। मेरा इस्तीफा उनके कार्यालय में जमा करा दिया गया है।' मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बावजूद सिद्धारमैया ने विश्वास जताया कि

सरकार स्थिर रहेगी और कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत है. उन्होंने कहा, 'हमारे पास 136 विधायक हैं और दो निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन है। हमारे पास पूर्ण बहुमत है। नेतृत्व परिवर्तन से सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में लंबे राजनीतिक सफर को किया याद

इस्तीफे के बाद सिद्धारमैया भावुक भी नजर आए। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए कांग्रेस नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया. उन्होंने कहा, 'मुझे सात करोड़ लोगों की सेवा करने का मौका मिला. मुझे दो बार मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला और दो बार मैं विधानसभा में विपक्ष का नेता भी रहा।' उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का विशेष रूप से धन्यवाद किया. सिद्धारमैया ने कहा कि 2006 में कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों ने हमेशा उनका समर्थन किया।

काजीपेट में इंटरसिटी ट्रेनों का निर्माण जल्द

> रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों के साथ की बैठक

नई दिल्ली, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारतीय रेल की काजीपेट रेल विनिर्माण इकाई लगभग पूरी होने की स्थिति में है और यहाँ जल्द ही इंटरसिटी रेलगाड़ियों का निर्माण शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एक बहुउद्देशीय रेलवे रोलिंग स्टॉक विनिर्माण इकाई होगी। रेल मंत्री ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर काजीपेट रेल विनिर्माण इकाई को चालू करने की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में अगले पांच वर्षों में 200 इंटरसिटी रेलगाड़ियों का निर्माण किया जाएगा। इन ट्रेनों को देशभर में कम दूरी की यात्रा के लिए संचालित किया जाएगा। ये रेलगाड़ियां लगभग 300 किलोमीटर तक की दूरी तय करेगी तथा इनके कई ठहरावें होंगे, ताकि छोटे शहरों और कस्बों के बीच आवागमन आसान हो सके। रेल मंत्री ने कहा कि ये ट्रेनें विद्यार्थियों, नौकरपेशा लोगों और स्वास्थ्य



सेवाओं के लिए यात्रा करने वाले आम नागरिकों को बेहतर और किफायती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि यह इंटरसिटी रेल सेवा शटल सेवा की तरह कार्य करेगी और आसपास के शहरों को आपस में जोड़ेगी। उन्होंने बताया कि इन ट्रेनों के शुरू होने से सड़कों पर स्थानीय यातायात का बड़ा हिस्सा रेलवे की ओर स्थानांतरित होने की संभावना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई इंटरसिटी रेलगाड़ियां आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी।

इनमें ऑटोमैटिक डोर क्लोजिंग सिस्टम, बेहतर वेंटिलेशन और 20 डिब्बों वाली सुरक्षित कोच संरचना होगी। प्रत्येक कोच में दो शौचालय उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ट्रेनों में आधुनिक कम्पलर और उन्नत बागियां लगाई जाएंगी तथा इन्हें 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि इन ट्रेनों में रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी होगा, जिसके तहत ब्रेक लगाने के दौरान उत्पन्न ऊर्जा को वापस ग्रिड में भेजा जाएगा।

पीएम मोदी ने वीर सावरकर और एनटी रामाराव को दी श्रद्धांजलि, दोनों को बताया प्रेरणास्त्रोत

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरवार को विनायक दामोदर सावरकर की 143वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सावरकर का साहस और देशभक्ति हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वीर सावरकर को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूँ। उनका साहस और देशभक्ति हमेशा लोगों को प्रेरित करेगी। उनकी बुद्धिमत्ता और सामाजिक सुधारों पर दिया गया जोर भी उल्लेखनीय है। मोदी ने सावरकर को महान क्रांतिकारी और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक बताया है और कहा कि वीरता और बुद्धिमत्ता से भरा उनका व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। विनायक दामोदर सावरकर हिंदू महासभा के प्रमुख नेताओं और विचारकों में शामिल थे। उनका जन्म 28 मई 1883 को हुआ था। सावरकर का निधन 26 फरवरी 1966 को 82 वर्ष की उम्र में हुआ था। साथ ही पीएम ने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के संस्थापक और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव की 103वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों के सम्मान के लिए एनटीआर की जनकल्याण और सुरासन के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा याद रखी जाएगी।

टीएमसी सांसद का कबूलनामा

‘आरजी कर’ अस्पताल कांड को दबाने में लगा था पूरा तंत्र’

कोलकाता, 28 मई (एजेंसियां)। कोलकाता से एक बड़ा राजनीतिक बयान सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सुखेंद्र शेखर राय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मामले को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

जनता के गुस्से पर सांसद की स्वीकारोक्ति
सुखेंद्र शेखर राय ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस जनता ने टीएमसी को 29 सीटों पर जीत दिलाई थी, वही जनता कुछ ही महीनों बाद आरजी कर मामले के बाद सड़कों पर उतर आई। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में लोग रातभर जागकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और हमें उस संदेश को समझना चाहिए था जो जनता दे रही थी।

टीएमसी सांसद ने यह भी स्वीकार किया कि उस दौरान पूरा प्रशासन आंदोलन को दबाने और मामले से जुड़े तथ्यों को छुपाने में व्यस्त था। उन्होंने कहा कि इसके बजाय दौषियों को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए था। उनके अनुसार, अगर सरकार जनता की आवाज को अनसुना करती है, तो लोकतंत्र में उसका असर चुनावी नतीजों पर जरूर पड़ता है। हालांकि, राय



ने मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नए सरकार के कामकाज से आम जनता खुश है और सरकार सही दिशा में आगे बढ़ रही है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा एक सरकार को कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारी को बहुत मेहनती बताया हुए कहा कि मैंने उनके जैसा मेहनती नेता बहुत कम देखा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदर्भ में राय ने कहा कि जब आम जनता ने देखा कि 2,50,000 अर्धसैनिक बल तैनात हैं, जिससे वे आश्चर्य थे कि कोई उन्हें वोट डालने से रोक नहीं सकता, तो उनमें आत्मविश्वास जगा। परिणाम स्वरूप, सभी मतदान केंद्रों तक पहुंचे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय का दिल्ली दौरा संपन्न

> कांग्रेस नेताओं से नहीं की मुलाकात

नई दिल्ली/चेन्नई, 28 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अपनी पहली आधिकारिक दिल्ली यात्रा पूरी करने के बाद गुरवार को चेन्नई लौट आए। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात नहीं की।

कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने कहा कि उनके पार्टी के नेता राहुल गांधी से मुलाकात इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि मुख्यमंत्री की यह यात्रा केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित थी, राजनीतिक बैठकों के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से मुलाकात रद्द नहीं हुई है, बल्कि फिलहाल टाल दी गई है। तिलक ने प्रचारकों से कहा, मुख्यमंत्री 11 जून के आसपास नीति आयोग की बैठक के लिए फिर दिल्ली आ सकते हैं और तब राहुल व सोनिया गांधी से मुलाकात हो सकती है। विजय ने अपनी दिल्ली यात्रा समाप्त की और विशेष विमान से चेन्नई लौट गए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की।

इसमें मेकेदातु बांध विवाद, मछुआरों की गिरफ्तारी और तमिल वंदना गीत को लेकर विवाद शामिल थे। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की और तमिलनाडु के विकास से जुड़ी कई मांगें रखीं। इनमें शामिल हैं-बंदरगाहों और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए फंड को प्राथमिकता देना। रेलवे परियोजनाओं और औद्योगिक गलियारों के लिए वित्तीय सहायता। राज्य में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) स्थापित करना। इरोड, कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए मदद देना, ताकि सार्वजनिक परिवहन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री ने तमिल थाई वाइथु (तमिल वंदना गीत) का मुद्रा भी उठाया। उनकी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम और राष्ट्रगान के बाद तीसरे नंबर पर इसे बजाने को लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार का मुद्रा भी उठाया।

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार का सख्त रुख साफ कर दिया है। गुजरात में गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में मौजूद हर अवैध घुसपैठिए की पहचान कर उसे बाहर किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने और अवैध घुसपैठ को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने संबोधन में दावा किया कि पहले की तुलना में सीमा पर घुसपैठ की घटनाओं में कमी आई है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के कई क्षेत्रों में भाजपा सरकार के तहत विकास कार्यों को गति मिली है।

बंगाल सरकार की तारीफ
उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी को बधाई देते हुए कहा 'पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को महज सात दिनों के भीतर बीएसएफ को 600 हेक्टेयर भूमि सौंपने के लिए



कि सरकार ने चुनावी वादों के अनुसार सीमा सुरक्षा से जुड़े कार्यों में तेजी से शुरू किया जाएगा, जिसे अब लागू किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 दिनों में गांधीनगर और कलोल विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 1200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ या उद्घाटन किया गया है, जिनमें पेयजल परियोजनाएं, आंगनबाड़ी केंद्रों का सौंदर्यीकरण और ग्रामीण विकास योजनाएं शामिल हैं। गुह मंत्री ने अपने संबोधन में ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी थीं।

बधाई देना चाहता हूं। चिकन नेक क्षेत्र में 121 हेक्टेयर भूमि भी केंद्र सरकार को सौंप दी गई है।' गांधीनगर जिले के सोनीपूर गांव में 340 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि सरकार ने चुनावी वादों के अनुसार सीमा सुरक्षा से जुड़े कार्यों में तेजी दिखाई है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जनता से यह वादा किया गया था कि सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी का काम तेजी से शुरू किया जाएगा, जिसे अब लागू किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 दिनों में गांधीनगर और कलोल विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 1200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ या उद्घाटन किया गया है, जिनमें पेयजल परियोजनाएं, आंगनबाड़ी केंद्रों का सौंदर्यीकरण और ग्रामीण विकास योजनाएं शामिल हैं। गुह मंत्री ने अपने संबोधन में ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी थीं।

ईडी की छापेमारी : केरल में कांग्रेस के मंत्री ने पूर्व सीएम वियजन पर उठाए सवाल कहा-हमसे नहीं पीएम से पूछें सवाल

तिरुवनंतपुरम, 28 मई (एजेंसियां)। केरल के राज्य मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एपी अनिल कुमार ने गुरवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पर निशाना साधा। यह बयान उस समय आया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विजयन के आवास पर छापेमारी की। उनका कहना है कि ईडी की कार्रवाई के बाद विजयन को केंद्र सरकार से सवाल करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करना शुरू कर दिया।

‘राहुल गांधी अब खुश होंगे’

बुधवार को ईडी टीम की ओर से तलाशी पूरी करने के तुरंत बाद विजयन ने टिप्पणी की थी कि 'राहुल गांधी अब खुश होंगे'। यह बात उन्होंने सीएमआरएल-एकसालाजिक वित्तीय लेनदेन मामले में ईडी द्वारा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जाने के बारे में कांग्रेस नेता द्वारा बार-बार उठाए गए सवालों के संदर्भ में कही थी।

पीएम मोदी के खिलाफ क्यों नहीं बोला ?

इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अनिल कुमार ने सवाल उठाया कि केंद्रीय एजेंसियों ने उनके और उनके परिवार के खिलाफ छापेमारी की। इसके बावजूद विजयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ पूरी तरह चुप क्यों रहे। अनिल कुमार ने कहा, 'राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए पिनारयी विजयन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एक शब्द भी क्यों नहीं बोल रहे हैं? उन्होंने हमेशा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति एक विशेष प्रकार का भय दिखाया है, और यह कल फिर स्पष्ट हो गया।' मंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने लगभग एक दशक लंबे कार्यकाल के दौरान, विजयन ने केरल में विपक्षी दलों पर हमला करते हुए भी, प्रधानमंत्री का सीधे तौर पर सामना करने से लगातार परहेज किया।

‘अगर पीएम को स्टूडेंट्स के भविष्य की चिंता होती तो अब तक आपको निकाल दिया होता’

> राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान पर बोला हमला

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12वीं के रिव्यूएशन प्रोसेस को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरवार को पहली बार गड़बड़ी की बात को स्वीकार किया। उन्होंने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि इसमें सुधार के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे और सभी स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने इस दौरान राहुल गांधी पर भी हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि लगातार चुनावी हार की वजह से वह (राहुल गांधी) फ्रस्ट्रेट लग रहे हैं। अब राहुल गांधी ने उनके बयान पर पलटवार किया है।

राहुल गांधी ने किया पलटवार

राहुल गांधी ने कहा है कि धर्मेंद्र प्रधान जी आप मुझ पर जितना चाहें हमला कर लें, लेकिन इससे आप अपने गुनाहों से बरी नहीं हो जाएंगे। न ही इससे मैं 18.5 लाख बच्चों के लिए जवाब मांगना बंद कर

दूंगा? राहुल गांधी ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री को लाखों बच्चों के भविष्य की परवाह होती तो आपको बहुत पहले ही निकाल देना चाहिए था। राहुल गांधी ने कहा कि आपने लाखों बच्चों के भविष्य को बर्बाद किया है।

‘चुनावी हार से फ्रस्ट्रेट हैं राहुल गांधी’
धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी को लेकर कहा था कि मुझे ऐसा लगता है कि वह एक अलग ही सोच में पहुंच गए हैं। लगातार चुनावी हार की वजह से वह फ्रस्ट्रेट लग रहे हैं। उन्होंने एसआईआर का विरोध किया, वह ईवीएम का विरोध करते थे, और उन्होंने डिजिटल इंडिया का विरोध किया। वह भारत की साइबरट्रिक तरकी के साथ खड़े नहीं दिखते। जहां तक इस मामले की बात है मैं खुद सरकार की तरफ से किसी भी परेशानी की जिम्मेदारी लेता हूं, और मैं सभी से रिक्स्ट करता हूं कि यह पॉलिटिक्स का समय नहीं है।

‘ट्रॉमा केयर का अधिकार, जीवन के अधिकार का हिस्सा’

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को ट्रॉमा केयर उपलब्ध कराना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है।

अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तीन महीने के भीतर आपातकालीन सेवाओं के लिए एकीकृत हेल्थलाइन नंबर '112' पूरी तरह लागू करने और गुड समैरिटेन शिकायत निवारण तंत्र (नेक मददवार शिकायत निवारण प्रणाली) स्थापित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए.एस. चांद्रकर की पीठ ने मंगलवार को यह आदेश सेव लाइफ फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में ट्रॉमा केयर को भारतीय सार्वजनिक कानून व्यवस्था में एक अधिकार के रूप में मान्यता देने की मांग की गई थी।

सात हवाई अड्डों पर शहीद सैनिकों के परिजन को मिलेगा रोजगार

> सेना ने किया समझौता

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। देश के सात प्रमुख हवाई अड्डों पर शहीद सैनिकों के परिवारजनों को रोजगार दिया जाएगा। भारतीय सेना और एयर इंडिया लिमिटेड के बीच सैनिक परिवारों के कल्याण को लेकर यह समझौता हुआ है। यह समझौता सैनिक परिवारों के कल्याण और रोजगार देने के उद्देश्य से किया गया है। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में यह समझौता हुआ। गुरवार को सेना ने इस समझौता जापान (एमओएस) पर हस्ताक्षर किए जाने की जानकारी साझा की। इस समझौते के तहत सेना के 25 स्कूलों में प्रोफेशनल ट्रेनिंग के लिए लैंग्वेजरी की स्थापित की जाएगी। ये विशेष प्रकार के प्रयोगशालाएं होंगी जहां छात्रों को रोजगार से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे। सेना का कहना है कि यह साझेदारी रोजगार, सशक्तिकरण और पर्यावरण के तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। इस समझौते का मूल उद्देश्य

वीर नारियों तथा उनके परिवारों को दीर्घकालिक सहायता प्रदान करना और सैन्य समुदाय के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। समझौते के तहत एयर इंडिया द्वारा वीर नारियों के लिए 20 तथा उनके बच्चों के लिए 40 रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। ये नियुक्तियां देश के सात प्रमुख हवाई अड्डों पर की जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य शहीद सैनिकों के परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समानजनक रोजगार उपलब्ध कराना है। इसके अतिरिक्त, सेना द्वारा संचालित 25 आशा स्कूलों में आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर करियर अवसर प्राप्त कर सकें। पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते सशक्तिकरण और पर्यावरण के रूप सेना के अपरालों में बैटरी से चलने वाली ई-कार्ट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

ट्रम्प के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में फाइटिंग मुकाबला होगा

वॉशिंगटन, 28 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 14 जून को 80 साल के हो जाएंगे। इस मौके पर व्हाइट हाउस में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) के मुकाबले कराए जाएंगे। यूएफसी दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स संस्था है।

इसमें अलग-अलग फाइटिंग खेलों के खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करते हैं।

यूएफसी चीफ डाना व्हाइट ने बताया कि व्हाइट हाउस में फाइट कराने का विचार खुद ट्रम्प ने दिया था। उनके मुताबिक इसके लिए व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में खास फाइटिंग एरिया बनाया जा रहा है। व्हाइट ने बताया कि ट्रम्प चाहते थे कि यह मुकाबला अमेरिका के 250वें स्थापना वर्ष के जश्न का हिस्सा बने।

अल जजीरा के मुताबिक, इस अस्थायी स्टेडियम में 4 हजार से ज्यादा लोग बैठ सकेंगे। इसके अलावा व्हाइट हाउस के पास एलिप्स फील्ड में फाइटर दिखाने के लिए बड़ी स्क्रीनें लगाई जाएंगी। यहां 75 हजार से लेकर

यूएफसी चीफ बोले– यह ट्रम्प का आइडिया 85 हजार फ्री टिकट देने की तैयारी



1 लाख लोग मुफ्त में मुकाबला देख सकेंगे।

ट्रम्प 1000 टिकट बांटेगे

डाना व्हाइट ने कहा कि उनके पास बांटने के लिए 200 टिकट होंगे, जबकि ट्रम्प 1000 टिकट देंगे। यूएफसी की मालिक कंपनी TKO ग्रुप के चीफ एरी इमैन्युएल के पास भी 200 टिकट होंगे। बाकी टिकट अमेरिकी सैनिकों को दिए जाएंगे। ट्रम्प ने हाल ही में कहा था कि यूएफसी मुकाबले के टिकटों की बहुत ज्यादा मांग है। उन्होंने कहा, मैंने कभी लोगों को

किसी चीज के लिए इतना उत्साहित नहीं देखा। यह एक अलग और खास यूएफसी इवेंट होगा। अधिकारियों ने बताया कि मुकाबले से पहले खिलाड़ियों का वजन मापने की प्रोसेस लिंकन मेमोरियल में होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस में इस इवेंट की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके अलावा, ट्रम्प अगस्त में वॉशिंगटन की सड़कों पर इंडीकार कार रेस कराने की भी तैयारी कर रहे हैं। यह रेस वॉशिंगटन

मॉन्यूमेंट और अमेरिकी संसद भवन जैसी मशहूर जगहों के पास से गुजरेगी।

ट्रम्प और डाना व्हाइट की दोस्ती काफी पुरानी है। राजनीति में आने से पहले ट्रम्प ने यूएफसी को अपने होटल और प्रॉपर्टी में फाइटिंग इवेंट आयोजित कराने की इजाजत दी थी। उस समय कई लोग इस खेल की आलोचना करते थे। इसके बदले डाना व्हाइट कई बार ट्रम्प के समर्थन में खुलकर बोल चुके हैं। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भी उन्होंने ट्रम्प के पक्ष में भाषण दिया था।

अल्टीमेट फाइटिंग चैम्पियनशिप (यूएफसी) दुनिया की सबसे बड़ी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (MMA) संस्था है। इसकी शुरुआत 1993 में अमेरिका में हुई थी।

उस समय अलग-अलग मार्शल आर्ट्स के लोग दावा करते थे कि उनकी तकनीक सबसे खतरनाक है।

रूस और यूक्रेन में 'पुल' बनेगा भारत ?

यूक्रेनी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, पुतिन ने गंगाए 5 लाख सैनिक

निकोसिया, 28 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बुधवार को रूस-यूक्रेन युद्ध, युद्ध के मैदान की बदलती स्थितियों और यूक्रेनी शांति सुनिश्चित करने के प्रयासों पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब कीव दुनिया भर से ज्यादा समर्थन पाने की कोशिश कर रहा है। यह चर्चा साइप्रस में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक 'जिम्मिच फोरम' के दौरान हुई। ये बैठक उस वक्त आयी है जब एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन युद्ध में अभी तक पांच लाख से ज्यादा रूसी सैनिक मारे गये हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद इसे एक उपयोगी बैठक बताते हुए जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने यूक्रेन संघर्ष पर अपने विचार साझा किए और द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। सिबिहा ने



इस बातचीत को सार्थक बताया और कहा कि बातचीत का मुख्य विषय रूस का यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध और युद्ध के मैदान में हाल के घटनाक्रम थे खासकर यूक्रेन की बढ़ती पहल है। आपको बता दें कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात से पहले ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत और रूसी विदेश मंत्रियों की भी मुलाकात हुई थी। इसीलिए सवाल ये है कि क्या भारत, यूक्रेन और रूस के बीच

कंपनी बनाकर होम-लोन के नाम पर ठगे 3 करोड़

सरगुजा, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में महिला टीचर समेत 9 लोगों से करीब 3 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को बैंक से होम लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करता था। इस मामले में महिला टीचर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोपी ने एक कंपनी बनाई और उसी के जरिए लोगों को होम लोन दिलाने का काम करने लगा। वह लोगों से कहता था कि जितना भी लोन मिलेगा, उसका 60 प्रतिशत पैसा कंपनी में जमा करना होगा। इसके बदले कंपनी हर महीने बैंक की पूरी किस्त खुद भर देगी। वही, लोन लेने वाले को 40 प्रतिशत रकम मिल जाएगी और उसे खुद कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इसके बाद वो लोन की राशि अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लेता और किस्त जमा नहीं करता। जानकारी के अनुसार, सरगवां की रहने वाली दिव्या एक्का ने 12 मई को गांधीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मासूमों की चीखों से कांपा केन्या! गर्ल्स स्कूल की डॉर्मिटरी में लगी भीषण आग

नैरोबी, 28 मई (एजेंसियां)। केन्या में लड़कियों के एक स्कूल के हॉस्टल में भीषण आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। एएफपी ने बताया कि मरने वालों में ज्यादातर बच्चे शामिल थे और 73 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेड क्रॉस ने एएफपी को बताया कि यह आग रात में नकुरु काउंटी के एक बोर्डिंग स्कूल, उतुमिषी गर्ल्स एकेडमी में लगी थी।

हालांकि उन्होंने हताहतों की संख्या नहीं बताई। केन्याई रेड क्रॉस ने कहा कि आग गिलगिल इलाके में स्थित उतुमिषी गर्ल्स एकेडमी सीनियर स्कूल में रात करीब 1 बजे लगी थी लेकिन इसकी सूचना दो घंटे से भी ज्यादा समय बाद मिली।

रेड क्रॉस के एक प्रवक्ता ने एएफपी को बताया आपातकालीन बचाव दल, एम्बुलेंस कर्मी और हमारे सहायक कर्मचारी इस समय घटनास्थल पर मौजूद हैं। आग लगने का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। डीडब्ल्यू ने बताया कि अधिकारियों ने इस बात की



पुष्टि कर दी है कि आग पर काबू पा लिया गया है।

काउंटी पुलिस अधिकारी मसूद म्विन्यी ने स्कूल के बाहर मौजूद परेशान माता-पिता से बात की और कहा यह एक दुखद और दिल दहला देने वाली स्थिति है। म्विन्यी ने पत्रकारों को बताया कि लगभग 50 अधिकारी स्कूल के आस-पास के इलाकों में उन छात्रों की तलाश कर रहे हैं जो आग लगने पर शायद वहां से भाग गई होंगी। आपको बता दें कि केन्या में दशकों से स्कूलों में आग लगने की घटनाएं एक बार-बार होने वाली और जानलेवा समस्या बनी हुई हैं। अधिकारी अक्सर इन

घटनाओं को आगजनी, खराब इंफ्रास्ट्रक्चर, हॉस्टलों में ज्यादा भीड़, बिजली की खराबी और सख्त अनुशासन के साथ साथ रहने की खराब स्थितियों को लेकर छात्रों के असंतोष से जोड़ते हैं। देश में स्कूल में आग लगने की सबसे जानलेवा घटना 2001 में माचाकोस काउंटी के क्यंगुली सेकेंडरी स्कूल में हुई थी जहां स्कूल की नीतियों के विरोध में कथित तौर पर दो छात्रों द्वारा एक हॉस्टल में आग लगा दिए जाने के बाद 67 छात्रों की मौत हो गई थी। 2017 में नैरोबी के मोई गर्ल्स हाई स्कूल में लगी आग में 10 छात्रों की जान चली गई थी।

बीजापुर के बाद बस्तर के तेंदूपत्ता गोदाम में लगी आग

1 हजार बोरे जले, इससे पहले 10 करोड़ का नुकसान, डीएफओ रमेश जांगड़े हटाए गए

बस्तर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सरकारी तेंदूपत्ता गोदाम में आग लग गई। बुधवार को सरगीपाल स्थित गोदाम में लगी आग से करीब 1 हजार बोरा तेंदूपत्ता जलकर राख हो गया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद वन अमले और दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल, नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

इससे पहले सोमवार को बीजापुर के निजी तेंदूपत्ता गोदाम में आग लगी थी। इस घटना में लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक हो गए थे। अनुमान के मुताबिक 10 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने कार्रवाई करते हुए डीएफओ रमेश जांगड़े को हटा दिया है। उनकी जगह

सागर जाधव को जिम्मेदारी दी गई है। जानकारी के मुताबिक सरगीपाल स्थित तेंदूपत्ता गोदाम में बुधवार शाम अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता रखा हुआ था। आग लगने की सूचना मिलते ही वन विभाग और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक करीब 1 हजार बोरा तेंदूपत्ता जलकर खाक हो चुका था। गोदाम में रखा तेंदूपत्ता सुकमा जिले का सालभर पुराना स्टॉक था, जिसे यहां सुरक्षित रखा गया था। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ट्रंप ने नाटो से निकालकर दिया धोखा तो यूरोप एक्टिव करेगा प्लान-बी

पुतिन को रोक पाएगा जेईएफ?



लंदन, 28 मई (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप यूरोपीय देशों से अमेरिकी लड़ाकू विमान और पनडुब्बियों को वापस बुलाने वाले हैं। अगर वो ऐसा करते हैं तो इसे नाटो के अंत की शुरुआत माना जाएगा। इस बीच यूरोप के 10 नॉर्डिक और बाल्टिक देशों के रणनीतिक जानकारों के बीच एक मजबूत राय ब्रिटेन को लेकर बन रही है। उनका मानना है कि लंदन को अपनी परमाणु क्षमताओं,

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी स्थायी सीट, अपने खुफिया नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी के क्रेड के तौर पर अपनी स्थिति का लाभ उठाते हुए रूस के खिलाफ यूरोप का नेतृत्व करना चाहिए।

इस विचार को नाटो की जगह लेने वाले 'प्लान B' के तौर पर पेश किया जा रहा है। इसका मतलब ये है कि अमेरिका शायद

अब किसी एक नाटो देश पर हमले के बाद अनुच्छेद-5 यानि एक देश पर हमला मतलब सभी देशों पर हमला वाले सिद्धांत को मानने से मना कर दें। ऐसी स्थिति में नाटो देशों के बीच सामूहिक सुरक्षा के लिए अमेरिका की जगह ब्रिटेन को आगे आने के लिए कहा जा रहा है।

यूरोप में इस समय प्लान-बी और (जेईएफ) को लेकर बड़ी हलचल है। यूरोपीय देशों के प्लान-बी पर 2025 में फिनिश इस्टीमेट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के मंत्री पेसु और टॉमस वालेनियस ने मिलकर एक पेपर लिखा था। इसमें उन्होंने इस प्लान के पक्ष में तर्क दिए। ब्रिटेन की साप्ताहिक पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट' में इनके प्लान का जोरदार समर्थन किया गया है।

ये दोनों फिनिश विद्वान तर्क देते हैं कि रूसी खतरों का मुकाबला करने के लिए फिनलैंड स्वीडन,

नॉर्वे, यूनाइटेड किंगडम और शायद, फ्रांस की ओर रुख करेगा। लॉजिस्टिक्स के लिहाज से युद्ध की स्थिति में फिनलैंड को आपूर्ति करने में स्कैंडिनेवियाई देश अहम भूमिका निभाते हैं और फिनलैंड नॉर्डिक कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे में बड़े सुधारों की वकालत करता रहा है। इसके अलावा ये देश संभावित रूप से काफी सैन्य क्षमताएं भी प्रदान कर सकते हैं। इसमें यूके के अलावा डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, आइसलैंड, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शामिल हैं। नाटो में कोई भी सैन्य कार्रवाई करने के लिए सभी 32 सदस्य देशों की सहमति जरूरी होती है जिसमें बहुत समय लग जाता है। इसके विपरीत जेईएफ में आम सहमति की जरूरत नहीं होती। अगर सिर्फ दो देश भी चाहें तो वे तुरंत सेना तैनात कर सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी न्यूयॉर्क, 28 मई (एजेंसियां)। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया।

डीएचएस ने क्या जानकारी दी? अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद आईसीई ने 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। डीएचएस के मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री को छोड़ कांग्रेस नेता की बेटी निशा पर दांव लगाएगी बीजेपी ?

रांची, 28 मई (एजेंसियां)। झारखंड की राजनीति में हाल के दिनों में कई बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव तारीख का ऐलान करने के बाद सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से साफ कर दिया गया है कि इस बार पार्टी की ओर से किसी निर्दलीय को समर्थन नहीं दिया जाएगा, बल्कि पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारा जाएगा।

भाजपा की ओर से राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने के बाद कई संभावित उम्मीदवारों की चर्चा शुरू हो गई। लेकिन जिन नामों की चर्चा हो रही है, उन नामों में सबसे तेजी से पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और भारतीय राज्यसेवा सेवा



(आईआरएस) की अधिकारी निशा उरांव का नाम सामने आया है। लेकिन क्या भाजपा पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की जगह निशा उरांव को उम्मीदवार बनाएगी? इसे लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के कद्दावर नेता और विधायक रामेश्वर उरांव की बेटी निशा उरांव का नाम तीन संकेत के कारण तेजी से उभार है।

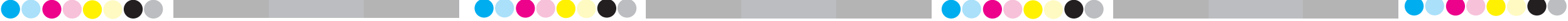
आईआरएस अधिकारी निशा उरांव इन दिनों धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर काफी मुखर होकर

आवाज उठा रही हैं। पेसा कानून लागू होने पर पहले निशा उरांव की ओर से हेमंत सोरेन के कार्यों की सराहना की गई, लेकिन जब नियमावली को ऐलान हुआ तो निशा उरांव ने इस पर कई आपत्ति जताते हुए आदिवासियों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर राज्यपाल को ज्ञापन भी सौंपा। इस बीज राज्य के कई जिलों का भ्रमण कर आदिवासियों के धर्मांतरण पर रोक लगाने को लेकर जागरूकता अभियान चलाया।

बीजेपी की नीतियों के अनुरूप ही निशा उरांव ने धर्मांतरण को अपनी संस्कृति और परंपरा की जड़ में नमक डालने की तरह बताया। इतना ही नहीं जब भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने आदिवासियों से धर्मांतरण के मुद्दे पर अपनी बात रखी तो निशा उरांव ने उनका समर्थन किया।

स्विस नागरिक ने स्टेशन पर किया चाकू से हमला

खिस नागरिक ने स्टेशन पर किया चाकू से हमला विंटरथुर, 28 मई (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड के विंटरथुर शहर के एक ट्रेन स्टेशन पर एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर तीन लोगों को घायल कर दिया। बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एपी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ज्यूरिख क्षेत्रीय पुलिस ने बयान में कहा, यह हमला सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी (31 वर्षीय स्विस नागरिक) के हमले के पीछे की घायल की जांच की जा रही है। घायल हुए तीनों लोग स्विस नागरिक हैं, उम्र 28, 43 और 52 वर्ष है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।



2 जून से चमकेगी इन 4 राशियों की किस्मत!

गुरु के कर्क राशि में प्रवेश करते ही बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा



ज्योतिष शास्त्र में गुरु ग्रह को ज्ञान, धन, वैभव, सुख और सौभाग्य का कारक माना जाता है। जब भी गुरु ग्रह अपनी राशि बदलते हैं, तो उसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जीवन पर देखने को मिलता है। गुरु

अपनी उच्च राशि में प्रवेश करेंगे, जिसे ज्योतिष में बेहद शुभ और फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि गुरु के शुभ प्रभाव से जीवन में रुके हुए काम बनने लगते हैं, आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और

परिवार में सुख-शांति आती है।
क्या कहते हैं देवघर के ज्योतिषाचार्य
 02 जून को गुरु ग्रह अपनी उच्च राशि कर्क में प्रवेश करेंगे। गुरु ग्रह का कर्क राशि में प्रवेश बहुत ही शुभ माना जाता है, क्योंकि कर्क गुरु की उच्च राशि है। ऐसे में गुरु अपनी पूरी सकारात्मक शक्ति के साथ फल देने वाले हैं।
 उन्होंने बताया कि जिन लोगों के काम लंबे समय से अटक हुए हैं, उन्हें राहत मिल सकती है। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे, नौकरी करने वालों को पद और सम्मान मिलने के योग बनेंगे। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, यह समय खासतौर पर चार राशि – मेष, मिथुन, कर्क और कन्या राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी रहने वाला है।
इन चार राशियों की चमकने वाली है किस्मत
 मेष राशि वालों के लिए गुरु का यह गोचर आर्थिक रूप से बहुत शुभ माना जा रहा है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं और पुराने निवेश से फायदा मिलने के संकेत हैं।
 नौकरी करने वालों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और घर में कोई शुभ कार्य होने की संभावना है।
 मिथुन राशि वालों के लिए यह समय करियर और व्यापार में बड़ी सफलता दिला सकता है। अचानक धन लाभ के योग बनेंगे और रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और मित्रों का सहयोग मिलेगा।
 कर्क राशि वालों के लिए गुरु का अपनी ही राशि में आना बेहद खास रहने वाला है। आत्मविश्वास बढ़ेगा, भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। नौकरी और व्यापार दोनों में लाभ के संकेत हैं।
 वहीं कन्या राशि वालों के लिए यह समय किसी सुनहरे अवसर से कम नहीं माना जा रहा है। लंबे समय से चली आ रही आर्थिक परेशानी दूर हो सकती है। नई नौकरी, व्यापार में विस्तार और धन संचय के योग बन रहे हैं। मां लक्ष्मी की कृपा से घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी और परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

गुरु की शिष्य को सीख:हमें परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना सीखना चाहिए

जीवन में सुख और दुख का आना-जाना लगा रहता है। कोई भी स्थिति स्थायी नहीं होती। जब समय अच्छा होता है तो मन प्रसन्न रहता है, लेकिन जब परिस्थितियां विपरीत हो जाती हैं तो कई लोग निराश हो जाते हैं। जीवन की असली परीक्षा ऐसे ही समय में होती है, जब धैर्य और संयम की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं...

लोक कथा के मुताबिक, एक गुरु अपने शिष्य के साथ पैदल यात्रा कर रहे थे। रास्ता पहाड़ी था और यात्रा कठिन थी। उन्हें संकरी पगडंडियाँ और गहरी खाइयों से होकर गुजरना पड़ रहा था। चलते-चलते अचानक शिष्य का पैर फिसल गया और वह सीधे एक गहरी खाई की ओर गिरने लगा।

शिष्य ने नीचे गिरते समय एक बांस के पौधे को पकड़ लिया। शिष्य का पूरा वजन उस बांस पर आ गया। बांस बहुत झुक गया, मानो टूट ही जाएँ, लेकिन वह टूटा नहीं। शिष्य हवा में लटक गया।

गुरु तुरंत आगे बढ़े और किसी तरह शिष्य का हाथ पकड़कर उसे ऊपर खींचने लगे। काफी प्रयास के बाद शिष्य को गुरु ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कुछ देर बाद दोनों आगे बढ़े। गुरु ने शिष्य से पूछा, “क्या तुमने सुना कि उस समय बांस ने क्या कहा था?”

शिष्य ने हैरानी से कहा, “गुरुजी, मैं तो बस अपनी जान बचाने में लगा हुआ था। मुझे तो पेड़-पौधों की भाषा समझ में नहीं आती।” गुरु मुस्कुराए और बोले, “उस बांस ने तुम्हें जीवन का सबसे बड़ा संदेश दिया है।” गुरु ने समझाया कि उस कठिन समय में बांस पूरी तरह झुक गया, लेकिन टूटा नहीं। उसने दबाव को स्वीकार किया, विरोध नहीं किया। जब दबाव खत्म हुआ, तो वह फिर से सीधा हो गया।

गुरु ने बताया कि बांस हमें सीख देता है कि हमें जीवन में लचीलापन और विनम्रता बनाए रखनी चाहिए। जो व्यक्ति



हर परिस्थिति में कठोर बना रहता है, वह टूट जाता है, लेकिन जो व्यक्ति समय के अनुसार खुद को ढाल लेता है, वह हर संकट से बच जाता है।

प्रसंग की सीख

पहली सीख यह है कि जीवन में बदलाव को स्वीकार करना चाहिए। सुख और दुख दोनों अस्थायी हैं। जब हम यह समझ लेते हैं कि हर स्थिति बदलती है, तो हम अनावश्यक तनाव से बच जाते हैं। स्वीकार करने का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि वास्तविकता को समझकर सही निर्णय लेना है।

दूसरी महत्वपूर्ण सीख है लचीलापन। जैसे बांस तेज हवा के साथ झुक जाता है, लेकिन टूटता नहीं है, वैसे ही हमें भी अपने विचारों और व्यवहार में कठोरता नहीं रखनी चाहिए। कई बार परिस्थितियों के अनुसार योजना बदलना कमजोरी नहीं, बल्कि बुद्धिमानी होती है।

तीसरी सीख है क्रोध पर नियंत्रण। कठिन समय में गुस्सा समस्या को और बड़ा देता है। गुस्से में लिए गए निर्णय अक्सर गलत साबित होते हैं। इसलिए जब भी मन अशांत हो, कुछ समय रुककर

शांत मन से सोचना चाहिए। चौथी सीख है धैर्य। हर समस्या का समाधान समय के साथ आता है। जो लोग धैर्य रखते हैं, वे बेहतर निर्णय लेते हैं और मानसिक रूप से मजबूत रहते हैं।

पांचवीं सीख यह है कि कठिन समय में सीखने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। हर चुनौती अपने साथ कोई न कोई संदेश लेकर आती है। यदि हम केवल शिकायत करेंगे तो तनाव बढ़ेगा, लेकिन यदि हम सीखेंगे तो वही स्थिति हमें मजबूत बनाएगी।

छठी सीख है मानसिक और सामाजिक समर्थन। अकेले हर समस्या का समाधान करना कठिन होता है। परिवार, मित्र और सही मार्गदर्शन जीवन को आसान बनाते हैं।

अंत में सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखें। जैसे बांस दबाव में झुककर भी टूटता नहीं, वैसे ही हमें भी परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना सीखना चाहिए। यही वास्तविक जीवन है जो हमें हर मुश्किल परिस्थिति से सुरक्षित बाहर निकाल सकता है।

चाणक्य के 5 संवाद सूत्र आपकी हर बात को बना सकते हैं असरदार



कई बार ऐसा होता है कि हम सही बात कहते हैं, लेकिन लोग उसे गंभीरता से नहीं लेते। वहीं कुछ लोग कम बोलते हैं, फिर भी उनकी हर बात का असर लंबे समय तक रहता है। आखिर ऐसा क्यों होता है? इस सवाल का जवाब आचार्य चाणक्य की नीतियों में मिलता है। चाणक्य का मानना था कि व्यक्ति की पहचान केवल उसके ज्ञान से नहीं, बल्कि उस ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके से भी बनती है। आज के दौर में, जब हर कोई अपनी बात रखने की कोशिश कर रहा है, तब प्रभावी संवाद की कला पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

बोलने से पहले सोचें, फिर शब्दों का चुनाव करें
 आचार्य चाणक्य के अनुसार जल्दबाजी में कही गई बातें कई बार गलतफहमी पैदा कर देती हैं। इसलिए किसी भी विषय पर बोलने से पहले उसके परिणामों के बारे में सोचना जरूरी है। यदि व्यक्ति परिस्थिति को समझकर और सामने वाले की मानसिक स्थिति को ध्यान में रखकर अपनी बात रखता है, तो उसके शब्द अधिक प्रभावी बन जाते हैं।

आज के समय में सोशल मीडिया पर भी यही बात लागू होती है। बिना पूरी जानकारी के की गई टिप्पणी कई बार विवाद का कारण बन जाती है। इसलिए सोच-समझकर बोलना समझदारी की निशानी माना जाता है। सरल भाषा हमेशा ज्यादा असर करती है।

बहुत से लोग यह मानते हैं कि कठिन शब्दों का प्रयोग करने से वे अधिक बुद्धिमान दिखाई देंगे। लेकिन चाणक्य का दृष्टिकोण इससे अलग था। उनका कहना था कि ऐसी भाषा का उपयोग करना चाहिए जिसे सामने वाला आसानी से समझ सके। अगर आपकी बात साफ और सीधे तरीके से कही गई है, तो उसके समझे जाने की संभावना भी बढ़ जाती है। यही कारण है कि बड़े नेता, शिक्षक और सफल वक्ता अक्सर सरल भाषा का ही इस्तेमाल करते हैं। उनकी बात सीधे लोगों के दिल और दिमाग तक पहुंचती है।

आत्मविश्वास आपकी बातों की ताकत बढ़ाता है
 चाणक्य मानते थे कि आत्मविश्वास किसी भी व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। यदि कोई व्यक्ति अपनी बात कहते समय झिझकता है या बार-बार खुद पर संदेह जताता है, तो सामने वाला भी उसकी बात को गंभीरता से नहीं लेता। इसके विपरीत, जब कोई व्यक्ति स्पष्ट आवाज, संतुलित व्यवहार और विश्वास के साथ अपनी राय रखता है, तो लोग उसकी बातों पर ध्यान देने लगते हैं। आत्मविश्वास का मतलब अहंकार नहीं, बल्कि अपनी बात पर भरोसा होना है।

सही समय और माहौल का भी होता है बड़ा महत्व के अनुसार किसी भी संदेश का प्रभाव उसके समय और माहौल पर भी निर्भर करता है। यदि महत्वपूर्ण बात सही अवसर पर कही जाए, तो उसका असर कई गुना बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर, किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से उसकी गलती बताने की बजाय निजी तौर पर समझाना अधिक प्रभावी साबित हो सकता है। यही संवाद की समझदारी है, जिसे चाणक्य ने अपनी नीतियों में विशेष महत्व दिया है।

विनम्रता दिलाती है सम्मान

चाणक्य का मानना था कि कठोर शब्दों से व्यक्ति डर तो पैदा कर सकता है, लेकिन सम्मान नहीं कमा सकता। जो लोग विनम्रता और सम्मान के साथ अपनी बात रखते हैं, उनकी बातों को लोग अधिक ध्यान से सुनते हैं। आज भी कार्यस्थलों और सामाजिक जीवन में वही लोग लंबे समय तक प्रभाव छोड़ते हैं जो दूसरों के विचारों का सम्मान करते हैं। विनम्रता व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकर्षक बनाती है और उसकी बातों को अधिक विश्वसनीय भी बनाती है।

चाणक्य नीति का सार यही है कि प्रभावशाली बनने के लिए केवल ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है। सही समय, स्पष्ट भाषा, आत्मविश्वास, परिस्थिति की समझ और विनम्रता जैसे गुण व्यक्ति की बातों को वजनदार बनाते हैं। जब ये सभी तत्व एक साथ आते हैं, तब भीड़ में भी आपकी अलग पहचान बनती है और लोग आपकी बातों को महत्व देने लगते हैं।

कंस की मां का नाम क्या था क्या भगवान कृष्ण की मां देवकी उनकी सगी बहन थीं ?

भगवान श्रीकृष्ण और उनके मामा राजा कंस से जुड़ी कहानियां भारतीय पौराणिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती हैं। जन्माष्टमी हो या श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन, कंस का नाम हर जगह जरूर सुनने को मिलता है। हालांकि बहुत से लोग सिर्फ इतना जानते हैं कि कंस एक अत्याचारी राजा था और भगवान कृष्ण ने उसका वध किया था, लेकिन उसके परिवार और रिश्तों को लेकर लोगों के मन में कई सवाल बन रहे हैं। मां लक्ष्मी की कृपा जाने वाला सवाल यही है कि कंस की मां कौन थीं और क्या भगवान कृष्ण की मां देवकी सच में उसकी सगी बहन थीं ?

कौन था शक्तिशाली कंस ?

कंस मथुरा का राजा और यादव वंश का एक शक्तिशाली योद्धा माना जाता था। वह राजा उग्रसेन का पुत्र था और बचपन से ही बेहद बलशाली बताया जाता है। कहा जाता है कि कंस युद्ध कला में निपुण था और उसकी ताकत से बड़े-बड़े योद्धा डरते थे। मगर शक्ति और सत्ता मिलने के बाद उसका स्वभाव क्रूर और अहंकारी हो गया। उसने अपने पिता



उग्रसेन को सिंहासन से हटाकर खुद मथुरा की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। पौराणिक कथाओं में कंस को ऐसा शासक बताया गया है, जो अपने डर और घमंड के कारण निंदोष लोगों पर भी अत्याचार करने लगा था। यही क्रूरता आगे चलकर उसके विनाश का कारण बनी।

कंस की मां का नाम क्या था ?

कई धार्मिक ग्रंथों में कंस की मां का नाम पद्मावती बताया गया है। वह मथुरा के राजा उग्रसेन की पत्नी थीं। हालांकि अलग-अलग कथाओं और लोक मान्यताओं में कुछ जगह अन्य नामों का भी उल्लेख मिलता है, लेकिन पद्मावती नाम को सबसे अधिक स्वीकार किया जाता है। कहा जाता है कि कंस का जन्म

एक राजघराने में हुआ था और उसे बचपन से ही शक्ति, वैभव और अधिकार मिला। इसके बावजूद उसका स्वभाव धीरे-धीरे कठोर और हिंसक होता गया। कई कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि गलत संगति और अत्यधिक सत्ता ने उसके भीतर क्रूरता को बढ़ा दिया था।

क्या देवकी कंस की सगी बहन थीं ?

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार देवकी कंस की सगी बहन थीं। देवकी राजा देवक की पुत्री थीं, जो उग्रसेन के भाई बताए जाते हैं। इस रिश्ते से देवकी कंस की चचेरी बहन थीं। देवकी का विवाह यादव वंश के वासुदेव से हुआ था। कहा जाता है कि कंस अपनी बहन देवकी से बेहद प्रेम करता था और उसकी शादी बड़े धूमधाम से करवाई गई थी। यहां तक कि विवाह के बाद वह स्वयं अपनी बहन की विदाई कराने रथ चलाकर जा रहा था, लेकिन इसी दौरान हुई एक आकाशवाणी ने उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी।

आमरस का भोग लगते ही 'बीमार' पड़ जाते हैं भगवान! कोटा के 250 साल पुराने जगदीश मंदिर की अनोखी परंपरा

राजस्थान के कोटा के जगदीश मंदिर में सदियों पुरानी आस्था और परंपरा आज भी जीवंत रूप में दिखाई देती है। कोटा के रामपुरा स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर में हर वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान जगदीश, बलभद्र और बहन सुभद्रा को 14 दिनों का विशेष “बीमारी अवकाश” दिया जाता है। करीब 250 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का अनुदा केंद्र बनी हुई है। मान्यता है कि भीषण गर्मी के मौसम में भगवान को ठंडे जल से स्नान कराने और आमरस का भोग लगाने के बाद उनकी तबीयत खराब हो जाती है। इसी मान्यता के चलते विशेष धार्मिक विधि-विधान के साथ भगवान का अभिषेक किया जाता है और उसके बाद उन्हें विश्राम के लिए एकांत में रखा जाता है।

14 दिनों तक विश्राम करते हैं भगवान
 इस वर्ष भी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान का 51 जलकलशों और पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद भगवान को करीब 200 किलो आमरस का भोग अर्पित किया गया। भोग लगाने के बाद

रात 9 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए गए। अगले 14 दिनों तक भगवान विश्राम अवस्था में रहेंगे और इस दौरान आम श्रद्धालुओं के दर्शन पूरी तरह बंद रहेंगे।

दिर प्रशासन विशेष रूप से इस बात का ध्यान रखता है कि भगवान के आराम में किसी प्रकार का व्यवधान न हो। मंदिर परिसर की घंटियों और झालरों तक को कपड़े से ढक दिया जाता है ताकि किसी प्रकार की आवाज न हो सके। पूरे मंदिर में शांति और सद्गोपी का वातावरण बनाए रखा जाता है।

भगवान को चढ़ाया जाता है विशेष काढ़ा

मंदिर के पुजारी जगन्नाथ बताते हैं कि इन 14 दिनों के दौरान भगवान का प्रतिदिन “स्वास्थ्य परीक्षण” किया जाता है। उन्हें नियमित भोग की जगह दूध, मेवे और काली मिर्च से तैयार विशेष काढ़ा अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान शीघ्र स्वस्थ हो जाते हैं।



इस अवधि में केवल मुख्य पुजारी को ही गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति रहती है। श्रद्धालु मंदिर परिसर तक पहुंचते हैं, लेकिन भगवान के दर्शन नहीं कर पाते। इसके बावजूद लोगों की आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई देती।

250 साल पुरानी है परंपरा

मंदिर का इतिहास भी बेहद रोचक है। बताया जाता है कि लगभग 250 वर्ष पूर्व दक्षिण भारत से आए महाराज

अपलाचारी स्वामी ने इस मंदिर की स्थापना की थी। उस समय हाड़ौती क्षेत्र के श्रद्धालु सीमित यातायात सुविधाओं के कारण जगन्नाथ मंदिर नहीं जा पाते थे।

इसी कारण कोटा के रामपुरा क्षेत्र में भगवान जगदीश का यह मंदिर स्थापित किया गया, ताकि स्थानीय श्रद्धालु भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन और पूजा का लाभ प्राप्त कर सकें। मंदिर में भगवान जगदीश यानी भगवान कृष्ण, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

वर्तमान में मंदिर की सेवा अपलाचारी स्वामी के परिवार की छठी पीढ़ी द्वारा की जा रही है। मंदिर की व्यवस्था और पूजा-पाठ की जिम्मेदारी एस के। श्रीनिवास निभा रहे हैं। मंदिर में पूजा, भोग, भजन-कीर्तन और साफ-सफाई सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए चार लोग नियमित रूप से सेवा दे रहे हैं।

रामपुरा का यह प्राचीन जगदीश मंदिर आज भी कोटा की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। हर वर्ष यहां निर्भाई जाने वाली यह अनोखी परंपरा श्रद्धालुओं की आस्था को और गहरा कर देती है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 29 मई - 2026

निष्पक्ष चुनाव की मजबूत नींव

सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वैध ठहराया जाना भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय है। बिहार की मतदाता सूची के पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय चुनाव आयोग को न केवल मतदाता सूची का पुनरीक्षण करने का अधिकार है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर नागरिकता संबंधी तथ्यों की जांच करने का भी अधिकार है। यह फैसला उन सभी आशंकाओं और राजनीतिक आरोपों के बीच आया है जिनमें पुनरीक्षण को समय-समय पर मतदाता सूची में संशोधन, सुधार और पुनरीक्षण का अधिकार देते हैं। ऐसे में एसआईआर कोई असाधारण या असंवैधानिक कदम नहीं, बल्कि चुनावी शुचिता बनाए रखने की एक नियमित और आवश्यक प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो इसका स्वतः यह अर्थ नहीं लगाया जा सकता कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गई है। जिन लोगों के नाम सूची से हटे हैं, उन्हें अपनी बात रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाना चाहिए। संबंधित अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि किसी पात्र नागरिक का नाम अनावश्यक रूप से सूची से न कटे। इससे पुनरीक्षण प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित होता है। दरअसल, बिहार में इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया गया। कुछ विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि पुनरीक्षणी के बहाने मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं और वोट चोरी का रास्ता खुल सकता है। इसी आधार पर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती दी गई थी। हालाँकि न्यायालय के फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि केवल आशंकाओं के आधार पर किसी वैधानिक प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। पश्चिम बंगाल में भी मतदाता सूची और कथित वोट चोरी को लेकर लंबे समय से विवाद उठते रहे हैं। वहां भी पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस हुई और मामला न्यायालय तक पहुंचा। किंतु विभिन्न राज्यों के अनुभव बताते हैं कि जहाँ प्रशासनिक मशीनरी सफरक रहती है, वहां मतदाता सूची का पुनरीक्षण अपेक्षाकृत सुचारु रूप से संपन्न होता है। इसलिए समस्या प्रक्रिया में कम और उसके क्रियान्वयन में अधिक दिखाई देती है। देश के अनेक राज्यों में पुनरीक्षण कार्य हुए हैं, लेकिन शिकायतें मुख्यतः कुछ राज्यों से ही अधिक सामने आई हैं। यह संकेत देता है कि स्थानीय स्तर पर कार्यरत अधिकारियों, विशेषकर बृथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और प्रशासनिक तंत्र की कार्यकुशलता की भी समीक्षा होनी चाहिए। यदि कहीं पात्र मतदाताओं के नाम छूट रहे हैं या शिकायतें बढ़ रही हैं, तो उसकी जिम्मेदारी प्रक्रिया को बजाय उसे लागू करने वाले पर अधिक बनती है। चुनाव आयोग को भी इस अवसर का उपयोग अपनी व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी तथा उबरदायी बनाने के लिए करना चाहिए। स्पष्ट दिशानिर्देश, पर्याप्त समय, तकनीकी सहायता और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था से मतदाताओं का विश्वास और मजबूत किया जा सकता है।

न त्याग की मूर्ति, न कमाई का बोझ - बस दो इंसान, एक सफर

भारतीय विवाह व्यवस्था लंबे समय तक एक मौन धारणा पर टिकी रही—पुरुष कमाएगा, स्त्री बिना सवाल पर संभालेगी। इसी सोच ने अनेक रिश्तों को साझेदारी नहीं, बल्कि असमान जिम्मेदारियों का बोझ बना दिया। घर की पत्नी का कर्तव्य और अधिकार को पति का विशेषाधिकार मानने वाली मानसिकता पर अब कानून ने सीधा प्रहार किया है। बॉम्बे हाईकोर्ट का हालिया फैसला न्यायिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी है। अदालत ने साफ कहा कि पत्नी कोई नौकरानी नहीं और विवाह किसी एक की सेवा का अनुबंध नहीं हो सकता। रिश्ता तभी टिकेगा, जब दोनों पक्ष बराबर सम्मान, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ साथ चलें। मुंबई का यह वैवाहिक विवाद उस सोच को सामने ले आया, जहां पत्नी को रिश्ते से ज्यादा घरेलू कसौटियों पर परखा गया। एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने 2004 में तलाक मांगते हुए आरोप लगाया कि पत्नी न ठीक से खाना बनाती है, न घर संभालती है, सास-ससुर के प्रति अपेक्षित व्यवहार नहीं रखती और अक्सर मायके चली जाती है। बांद्रा फैमिली कोर्ट ने 2010 में तलाक मंजू्र कर लिया, लेकिन 8 मई 2026 को न्यायमूर्ति भारती डांग्रे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने वह फैसला पलट दिया। अदालत ने साफ कहा कि सामान्य घरेलू मतभेदों और व्यवहारिक असहमतियों को “मानसिक क्रूरता” नहीं माना जा सकता। पत्नी को 20 हजार रुपये मासिक भरण-पोषण देकर यह स्पष्ट किया कि विवाह बराबर जिम्मेदारी का रिश्ता है।

भारतीय घरों में वर्षों तक रसोई, सफाई, बुजुर्गों की सेवा और परिवार के लिए निरंतर समर्पण को स्त्री का अनिवार्य धर्म मान लिया गया। “अच्छी पत्नी” की परिभाषा भी इन्हीं जिम्मेदारियों में बांध दी गई। जरा-सी कमी होते ही उसे असंवेदनशील या परिवार से दूर समझ लिया जाता है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब इसी जड़ सोच पर



आरके जैन

सवाल उठाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि विवाह में कोई मालिक नहीं, कोई सेवक नहीं। यह फैसला केवल महिलाओं के अधिकार की बात नहीं करता, बल्कि पुरुषों को भी रिश्तों में सम्मान, सहयोग और साझेदारी का वास्तविक अर्थ समझाने की कोशिश करता है। क्योंकि मजबूत विवाह वही है, जहां जिम्मेदारियां एकतरफा नहीं, साझा हैं। कानूनी दृष्टि से यह फैसला इसलिए निर्णायक बन गया क्योंकि अदालत ने “क्रूरता” की परिभाषा को संकीर्ण धारणाओं से बाहर निकालकर वास्तविक जीवन की जमीन पर देखा। छोटे घरेलू मतभेद, स्वभाव का अंतर या रोजमर्रा की असहमतियां तलाक का आधार नहीं बन सकतीं। अदालत ने स्पष्ट माना कि साथ रहने वाले दो व्यक्तियों के बीच टकराव स्वाभाविक है। यदि पति पत्नी में केवल आदर्श गृहिणी तलाशे और पत्नी पति को सिर्फ आर्थिक सुरक्षा का माध्यम समझे, तो रिश्ते अपनी मूल भावना खो देते हैं। कानून किसी एक पक्ष को श्रेष्ठ साबित करने के लिए नहीं, बल्कि दोनों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए बना है। यही वजह रही कि पत्नी की सीमित अपील के बावजूद अदालत ने पति की जिम्मेदारी को खत्म नहीं माना।

यह निर्णय बदलते भारत की उस सच्चाई को भी स्वीकार करता है, जहां महिलाएं अब केवल घर की चौखट तक सीमित नहीं रहीं। शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता उनकी नई पहचान बन रहे हैं। वहीं पुरुष भी आर्थिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और पारिवारिक अपेक्षाओं के बोझ से गुजरते हैं। ऐसे में विवाह तभी संतुलित रह सकता है, जब दोनों एक-दूसरे की परिस्थितियों और संघर्षों को समझें। यदि पत्नी कामकाजी है तो घरेलू जिम्मेदारियां साझा हों, और यदि पति बाहरी दबावों से जूझ रहा है तो उसे भावनात्मक सहारा मिले। रिश्तों की असली मजबूती अधिकारों से नहीं, बल्कि साझा दायित्व और पारस्परिक सहयोग से जन्म लेती है।

पाकिस्तान के दुष्प्रचार के बावजूद भारत ने दिखाई दरियादिली



अशोक भाटिया

भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लिया था। उसने सिंधु जल संधि को भी स्थगित कर दिया था। भारत के इस फैसले ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया, जिसका असर अभी तक बना हुआ है। इसी वजह से पाकिस्तान अब भारत के सामने हाथ फैलाता नजर आ रहा है। पाक ने मंगलवार (27 मई) को भारत से सिंधु जल संधि का सम्मान करने का आग्रह किया। पाकिस्तान ने कहा कि संधि को स्थगित करने का कोई भी प्रयास कई देशों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा। समाचारों के मुताबिक ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में आयोजित एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ। मुसादिक मलिक ने भारत पर साझा जल संसाधनों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीमा पार नदियों को प्रभावित करने वाली एकतरफा कार्रवाई जल सुरक्षा, खाद्य उत्पादन और जलवायु परिवर्तन से निपटने से संबंधित गंभीर वैश्विक चुनौतियां पैदा कर सकती है। मलिक ने भारत से सिंधु जल संधि का सम्मान करने और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता

तंत्रों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संधि को स्थगित करने का कोई भी प्रयास दुनिया भर के निचले इलाकों में स्थित देशों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए थे, जिसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था। पाकिस्तान ने भारत द्वारा संधि को निलंबित किए जाने को खारिज कर दिया और कहा कि समझौते के तहत पाकिस्तान के लिए पानी रोकने के लिए उठाए गए किसी भी कदम को युद्ध की तरह माना जाएगा। विश्व बैंक की मध्यस्थता से पूरी हुई सिंधु जल संधि, 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के जल के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती आ रही है। मलिक ने पाकिस्तान की बढ़ती जलवायु चुनौतियों का भी जिक्र किया और कहा कि वैश्विक तापमान वृद्धि से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में पाकिस्तान भी शामिल है।बहरहाल सिंधु जल संधि के निलंबन के बावजूद भारत ने एक बार फिर मानवीय गरिमा और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की है। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित सलाल बांध से गाद निकालने और मानसून से पहले जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए भारत ने बांध के स्पिलवे गेट खोल दिए हैं। इसके चलते चिनाब नदी में पानी का बहाव तेजी से

बढ़ने की संभावना है। भारत सरकार ने इस बड़े हुए जलप्रवाह के बारे में पाकिस्तान को अरली वार्निंग भेजकर सतर्क कर दिया है ताकि निचले इलाकों में रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकें। भारत से मिले इस आधिकारिक इनपुट के बाद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तुरंत फ्लड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सियालकोट के डिप्टी कमिश्नर समेत आपदा प्रबंधन अधिकारियों को नदी पर 24 घंटे निगरानी रखने और आम जनता को चिनाब के किनारों से दूर रखने के निर्देश दिए गए हैं। यह पिछले आठ महीनों में दूसरा मौका है जब भारत ने संधि निलंबित होने और पाकिस्तान के लगातार दुष्प्रचार के बाद भी उसे इस तरह की आपदा से बचाने के लिए समय रहते सूचना दी है। इससे पहले अगस्त 2024 में भी भारत ने सतलुज नदी में बाढ़ आने की चेतावनी देकर पाकिस्तान के हजारों नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद की थी। गौरतलब है कि चिनाब, सिंधु नदी बेसिन की छह नदियों में से एक है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच साझा है। सिंधु संधि के तहत, भारत को सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के जल पर असीमित अधिकार प्राप्त हैं। पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम और चिनाब पर अधिकार प्राप्त हुए हैं। हालाँकि, वर्षों से भारत इन नदियों का उपयोग सिंचाई और जलविद्युत परियोजनाओं के लिए कर रहा है, जिससे पाकिस्तान काफी असंतुष्ट है। पिछले

सप्ताह, जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के जिला मजिस्ट्रेट ने मानसून से पहले गाद निकालने के लिए सलाल बांध के स्पिलवे गेट खोलने की घोषणा की। इसकी जानकारी पंजाब प्रांत के कृषि विभाग को भी दी गई। सियालकोट के उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन अधिकारियों को सतर्क करते हुए कहा कि भारत द्वारा बांध के स्पिलवे गेट खोलने के कारण चिनाब नदी का जलस्तर दो से तीन मीटर तक बढ़ सकता है। अधिकारियों को नदी की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने और चिनाब के किनारों पर लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है। 130 मीटर ऊंचे बांध वाला सलाल बांध, सिंधु संधि के तहत भारत द्वारा निर्मित पहली जलविद्युत परियोजना थी। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने बारिश के बाद बढ़े जलस्तर के कारण होने वाले अतिप्रवाह को नियंत्रित करने के लिए बांध के गेट थोड़े समय के लिए खोले हैं।

दिलचस्प बात यह है कि भारत के इस कदम के बावजूद, इस्लामाबाद वैश्विक मंच पर दिल्ली को बदनाम करना जारी रखे हुए है। भीषण गर्मी से पहले उसकी चिंता स्पष्ट रूप से झलक रही है। एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, पाकिस्तान पंजाब में कृषि और सिंचाई के लिए सिंधु नदी के जल प्रवाह पर अत्यधिक निर्भर है, जिसे देश की अनाज की टोकरी कहा जाता है। पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है ताकि

भारत सिंधु बेसिन के जल को साझा करने के मुद्दे पर अपना रुख नरम करे। ताजिकिस्तान में आयोजित जल सम्मेलन में पाकिस्तानी मंत्री डॉ। मुसादिक मलिक ने भारत पर साझा जल संसाधनों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उसी दिन, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने संयुक्त राष्ट्र में इस बात पर जोर दिया कि सिंधु संधि को निलंबित रखकर दक्षिण एशिया में स्थायी शांतिर स्थापित नहीं की जा सकती। डार ने आगे कहा, इजल को कभी भी हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, पिछले आठ महीनों में यह दूसरी बार है जब भारत ने इस तरह का सहयोग दिया है। पिछले साल अगस्त में, भारत ने पाकिस्तान को सतलुज नदी में संभावित बाढ़ के बारे में आगाह किया था, जब उसने अतिप्रवाहित बांधों और उपफनती नदियों से पानी छोड़ा था। भारत के इस सहयोग से पाकिस्तान समय रहते निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सफल रहा। उस समय भी, पाकिस्तान ने इस सहयोग को स्वीकार नहीं किया और अपना दुष्प्रचार अभियान जारी रखा। वैसे भारत द्वारा सिंधु जल संधि को ठंडे बस्ते में डालना पाकिस्तान के लिए एक बड़ा आर्थिक और रणनीतिक झटका है। वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित यह संधि भारत-पाकिस्तान के बीच 1965, 1971 और 1999 के भीषण युद्धों के दौरान भी कभी नहीं रुकी थी।

मोबाइल की मुद्दी में कैद होती पत्रकारिता



सुरेश गांधी

समय बदल रहा है, समाचार बदल रहे हैं, माध्यम बदल रहे हैं, और सबसे तेजी से बदल रहा है पाठक का स्वभाव। प्रश्न यह नहीं कि हिंदी पत्रकारिता बचेगी या नहीं, प्रश्न यह है कि वह स्वयं को कितनी तेजी से बदलते समय के अनुरूप ढाल पाती है। मतलब साफ है एक दौर वो भी था जब सुबह की शुरुआत दरवाजे पर दस्तक देती अखबार की सरसरगट से होती थी। पाठक चाय की चुस्कीयों के साथ समाचारों की दुनिया में प्रवेश करता था। किसी खबर का इंतजार दिन भर रहता था, संपादकीय लेखों पर बहस होती थी और अखबार केवल सूचना नहीं बल्कि समाज की बौद्धिक दिशा तय करने वाला माध्यम माना जाता था। लेकिन समय ने करवट बदली। इंटरनेट आया, मोबाइल आया, सोशल मीडिया आया और फिर देखने-देखते पूरी दुनिया एक छोटी स्क्रीन में सिमट गई। अब समाचार सुबह का इंतजार नहीं करते, वे सैकेंडों में आंखों के सामने प्रकट हो जाते हैं।

पहले खबरें संपादकों के विवेक से गुजरती थीं, अब एंग्लीश टय करतें हैं कि कौन सी खबर कितने लोगों तक पहुंचेगी। यह परिवर्तन केवल तकनीक का नहीं है, यह पत्रकारिता के चरित्र, उसकी विश्वसनीयता, उसकी भाषा, उसके पाठक और उसके भविष्य से जुड़ा परिवर्तन है। हिंदी पत्रकारिता आज इसी संक्रमण काल के बीच खड़ी है, जहां एक ओर गंभीर चुनौतियां हैं तो दूसरी ओर संभावनाओं का विशाल आकाश भी खुला है। हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत केवल समाचार देने के लिए नहीं हुई थी।



सुरेश कुमार भिषा

भाई साहब, ये जु क र ब ग' अंकल ने जो वाट्सएप्प में 'दिस मैसेज वास डिलीटेड' और 'एडिटेड' का फीचर डाला है न, कसम से ये सुविधा नहीं, सीधे-सीधे घर उजाड़ने का नो-कॉन्फिडेंस मोशन है। इंस्टाग्राम और फेसबुक वाले तो फिर भी सॉटिड हैं, चुपचाप अनसेंड मारो और मामला रफ-दफा, जैसे गंगा जी में पाप धो दिए। लेकिन वाट्सएप्प? ये तो तो मोहल्ले की बकबकी चाची है जो चिल्ला-चिल्लाकर कहती है, अरे सुनो, इसने अभी कुछ छुपाया है, मुझे पड़ोई! मेरी लाइफ की सबसे बड़ी आफत ये है कि मेरी करंट गलफ्रेंड का नाम रिया है और एक्स का प्रिया। अब उंगलियाँ और, कभी-कभी बकहा जाती हैं और 'आई लव यू प्रिया' टाइप हो जाता है। रिया का खुद का एक्स पास्ट टेंड हो चुका है, उसका भूत वैंलड है, लेकिन मेरे मुंह से गलती से भी प्रिया निकल गया तो समझो थर्ड वर्ल्ड वार आँन। रिया को वैसे तो एज़ाम का

सिलेबस याद नहीं रहता, पर मेरी 'वाट्सएप्प हिस्ट्री की वो चलती-फिरती विकिपीडिया है। कहती है, ओए सूर, पिछले एक महीने में तुमने 312 बार मैसेज डिलीट किए हैं और 171 बार एडिट! तुम मुझसे क्या छुपा रहे हो, तुम्हारा कैरेक्टर ही स्केच है! अब लड़कियों का वाट्सएप्प बिहेवियर भी भाई एकदम नेकस्ट लेवल डिटेक्टिव मोड होता है। जैसे ही चैट्स में वो 'दिस मैसेज वास डिलीटेड' का साइनबोर्ड देखती हैं, उनके भीतर का ब्योमकेश बाबू जाग जाता है। वो मैसेज के टाइमस्टैम्प को ऐसे घूटती हैं जैसे कोई ज्योतिषी कुंडली देख रहा हो। अगर गलती से टाइपिंग... दिखकर गायब हो जाए, तो उनका बीपी 180 पर हो जाता है। वो आपके ऑनलाइन आने और लास्ट सीन के बीच का टाइम डिफरेंस ऐसे कैलकुलेट करती हैं जैसे नासा वाले रॉकेट ट्रेजेक्टरी निकालते हैं। स्क्रीनशॉट लेकर सेहलियों के ग्रुप चैट में पैनल डिस्कशन बिठाया जाता है कि लुक गर्ल्स, इसका क्या मतलब हो सकता

है? ब्लू टिक न आए तो घोरस्टिंग का इल्जाम, और अगर आ जाए और रिप्लाई दो मिनट लेट हो, तो सॉर्सियस एक्टिविटी का वारंट जारी। वो स्टेट्स पर ऐसे सैंड सॉन्स लगाएँगी जैसे पूरी दुनिया का गम उन्हीं की झोली में आ गिरा हो, और अगर आपने उस स्टेटस को दो मिनट के अंदर सीन नहीं किया, तो आप अनकेयरिंग और टॉक्सिक घोषित हो जाते हैं। इनकी पूरी दुनिया ही एकदम उल्टी खोपड़ी की चलती है। जब पूरी दुनिया चैन की बंसी बजाकर सो रही होती है, तब ये रात के ढाई बजे उल्लू की तरह आँखें फाड़कर जागेगी। फिर शून्य होना फोन पर ऊँ-ऊँ का अंतर्हीन सिलसिला, जो सुबह की अज्ञान और चिड़ियों की चहचहाहट तक बिना किसी कमरिशियल ब्रेक के चलता रहता है। आप नींद में खरोटे मारने वाले होते हैं और उधर से आवाज आती है, तुम मुझे टाइम नहीं देते, तुम्हारा इंटरनेस्ट कम हो गया है। आधी रात को वो पुरानी दो साल पहली चैट खोदकर निकालेंगी, उसका फॉरेंसिक ऑडिट

करेंगी और आपके कान का ऐसा कीमा बनाएँगी कि सुबह तक कान से सचमुच खून निकलने लगे। और जैसे ही सूरज उमगा, जब पूरी दुनिया काम पर जाने के लिए पक रही होगी, ये मोहतरमा चादर तानकर, घोड़े बेचकर ऐसी कुंभकरणी नींद सोएँगी कि दोपहर के दो बजे से पहले इनका सिस्टम रीबूट ही नहीं होता। दिन में सोकर ये ब्यूटी स्लीप लेती हैं और रात को बॉयफ्रेंड का भेजा फ्राई करके अपनी आत्मा को तृप्त करती हैं। खैर, कल रात को पानी सिर से ऊपर चला गया। रात के ठीक 3 बजकर 14 मिनट पर रिया ने वही 312 डिलीटेड मैसेजेस का पुराना रोना फिर से छेड़ दिया। मैंने कहा, देखो रिया, वो बस टाइपो था, तुम तिल का पहाड़ बना रही हो। उसने तुरंत डायलॉग मारा, टाइपो 171 बार नहीं होता सूर! तुम्हारी इस चुगलीखोरी ऐप की हर हरकत पर मैंने नजर है। तुम पक्का उज प्रिया से पैचअप कर रहे हो। अगर फैसला होकर रहेगा, या तो वो डिलीटेड मैसेजेस वापस लाओ या मुझे भूलो। इसके

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवेरेस्ट पर चढ़ाई

एवेरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953



योगेश कुमार गोयल

को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवेरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवेरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवेरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों के लिए एवेरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवेरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को ब्रदॉज्जलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवेरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

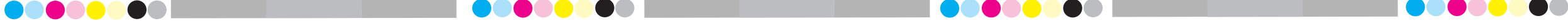
विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवेरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है।

दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवेरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवेरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवेरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और

भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवेरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवेरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवेरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

माउंट एवेरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच के लिए प्रेरित करता है, वहीं दीर्घा सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बाँहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवेरेस्ट गर्वनर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवेरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवेरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलेरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवेरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलेरी तथा एड् रश्विन ने एवेरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवेरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है।

दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवेरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवेरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवेरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और



ममता बनर्जी की टीएमसी में मची भगदड़

कोलकाता, 28 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। गुरुवार को पूर्व राज्यसभा सदस्य और तृणमूल कांग्रेस नेता शांतनु सेन ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आर जी कर बलात्कार और हत्या मामले तथा संस्थान से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर पार्टी की कड़ी आलोचना की। इससे पहले टीएमसी के एक और प्रवक्ता अरुण चक्रवर्ती ने भी पद से इस्तीफा दे दिया था।

ममता को पत्र भेजकर दिया इस्तीफा

शांतनु सेन ने तृणमूल सुप्रिीमो ममता बनर्जी को एक पत्र भेजकर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा दे दिया। राज्य में सरकार बदलने के तुरंत बाद डॉक्टर से नेता बने शांतनु ने मुख्यमंत्री शुभेदु अधिकारी को बधाई दी थी। इसके अलावा उन्होंने आर.जी. कर अस्पताल की घटना की जांच के संबंध में शुभेदु के प्रशासन के साथ सहयोग का संदेश भी दिया था। संयोग से शांतनु ने इसके

पत्नी रोटियां बनाती रही कमरे में पड़ी थी पति की लाश

छतरपुर, 28 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्टॉक मार्केट ट्रेडर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घर के बंद कमरे में शव मिला। शव जमीन पर बिछे बिस्तर पर पड़ा था। नाक से खून बह रहा था। कमरे में लैपटॉप चालू हालत में था, जिसमें एमसीएक्स और शेयर बाजार से जुड़ी वेबसाइट खुली हुई थी।

ओरछा रोड थाना के सब इंसपेक्टर दीपक यादव के मुताबिक, मृतक की पहचान राजेश अग्रवाल के रूप में हुई है। परिवार मूल रूप से उत्तरप्रदेश के झांसी जिले के बरुआसागर का रहने वाला है। परिवार ने वहां का मकान बेच दिया था।

लंबे समय से छतरपुर में रह रहा था। करीब एक महीने पहले ही परिवार नए मकान में शिफ्ट हुआ था। इससे पहले वे सामने वाले मकान में रहते थे। घर के एक कमरे में राजेश पिछले दो दिनों से बंद हैं। बाहर नहीं निकले

जिसकी हत्या के आरोप में पिता-भाई जेल में, वह जिंदा लौटी सिर कटी और जली हुई लाश को महाराष्ट्र पुलिस ने शिवानी की मान लिया था

बुरहानपुर, 28 मई (एजेंसियां)। जिस युवती की हत्या के आरोप में पिता और भाई जेल में बंद हैं, वह अचानक जिंदा लौट आया। उसने 27 मई की रात बुरहानपुर जिले के खकनार थाने में जाकर बताया- साहब ! मैं जिंदा हमरे पिता और भाई को छोड़ दीजिए।

खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जायव ने बताया कि शिवानी 24 अप्रैल को लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 1 मई को खकनार थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जांच के

पति के शरीर में महिलाओं वाले गुण, शरीर में बदलावों को देख मायके गई महिला

गोरखपुर, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के एम्स की ओपीडी में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। 26 वर्षीय एक युवक इलाज के लिए डॉक्टर के पास पहुंचा। उसकी बीमारी को जानकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। दरअसल, यह सामान्य लड़का नहीं, बल्कि इसके अंदर लड़कियों जैसे लक्षण डेवलप हो रहे थे। इसकी वजह से इसकी शादी होने के बाद भी टूट गई। पति के शरीर में हो रहे बदलावों को देखकर पत्नी नाराज होकर अपने मायके वापस लौट गई। डॉक्टर का कहना है कि यह जेनेटिक बीमारी या फिर हार्मोनल डिस्टरबेंस की वजह से हो सकता है। जांच कराने के बाद युवक का इलाज जारी है।

गोरखपुर के एम्स में विगत

राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन का इस्तीफा, अरुण चक्रवर्ती समेत 60 पार्षदों ने भी छोड़ा साथ



कुछ ही समय बाद यह फैसला लिया।

ममता को लिखे पत्र में शांतनु ने लिखा कि जनता के फैसले के सामने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए, मैं तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा देना चाहता हूं। उनके पत्र में आर.जी. कर घटना का भी जिक्र है। उन्होंने लिखा कि मौजूदा परिस्थितियों में—जहां बंगाल की जनता ने आर.जी. कर प्रकरण, अभया घटना और नौकरियों की विक्री सहित विभिन्न अनैतिक कृत्यों और भ्रष्टाचार की घटनाओं के कारण हमें नकार दिया है—मेरा अंतर्मन अब मुझे एक प्रवक्ता

के तौर पर इन मामलों का बचाव या समर्थन करने की अनुमति नहीं देता।

इससे पहले कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पार्षदों सुशांत घोष और अरुण चक्रवर्ती ने बुधवार को अहम निकाय पदों से इस्तीफा दे दिया और इस अवसर का उपयोग पार्टी नेतृत्व और हार के बाद स्थिति से निपटने के उसके तरीके पर असामान्य रूप से सुखर हमला करने के लिए किया। घोष ने बरो-12 के अध्यक्ष और हार के बाद स्थिति से निपटने के उसके तरीके पर असामान्य रूप से सुखर हमला करने के लिए किया। घोष ने बरो-12 के अध्यक्ष

पद से इस्तीफा दे दिया, जबकि चक्रवर्ती ने नगर निकाय की लेखा समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया। हालांकि दोनों ने पार्षद के

अपने पद बरकरार रखे। उनकी टिप्पणियों में इस्तीफे से भी अधिक तीखापन था। अरुण चक्रवर्ती ने पत्रकारों से कहा कि हार स्वीकार करनी ही होगी। अगर हम हार स्वीकार नहीं करते, तो पिछली जीतें भी अर्थहीन हो जाती हैं। इसे कई लोग पार्टी नेतृत्व के उन वर्गों के लिए एक अप्रत्यक्ष खंडन के रूप में देखते हैं, जिन्होंने चुनावी हार के पैमाने और विमर्श पर सवाल उठाए थे। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम आने के बाद वरिष्ठ मंत्री और प्रभावशाली नेता पहुंच से बाहर हो गए हैं। चक्रवर्ती ने कहा कि कई सालों तक हम मुख्यमंत्री तक पहुंच भी नहीं पाए, क्योंकि उनके

इर्द-गिर्द कुछ लोग हमेशा रहते थे थे। हार के बाद, उनमें से कई नेता सड़कों से गायब हो गए। राजनीतिक रूप से संवेदनशील एक टिप्पणी में उन्होंने विस्थापित समर्थकों को घर लौटने में मदद करने के लिए बीजेपी सरकार को धन्यवाद भी दिया।

2024-25 में 36 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की कमाई 52% घटी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। 2024-25 में 36 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की कुल आय में 51.57% की गिरावट दर्ज हुई है। इन दलों की कुल आय 1,192.94 करोड़ रुपए रही, जबकि 2023-24 में यह 2,463.17 करोड़ रुपए थी। यानी एक साल में 1,270.23 करोड़ रुपए की कमी आई।

नई दिल्ली में जारी एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 36 में से 21 क्षेत्रीय दलों ने अपनी घोषित आय से ज्यादा खर्च किया। इन दलों का कुल खर्च 1,433.07 करोड़ रुपए रहा, जो कुल आय से करीब 240.12 करोड़ रुपए ज्यादा रहा। यह आय से लगभग 20% अधिक खर्च था।

एडीआर ने 27 मई को यह रिपोर्ट जारी की। इसमें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध 36 मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों के ऑडिट रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया। एडीआर के मुताबिक, 67 क्षेत्रीय दलों में से 31 दलों ने 31 अक्टूबर 2025 की तय समयसीमा के 207 दिन बाद भी

गोलगप्पा खाने को लेकर कहासुनी, फंदे से लटकी नवविवाहिता

चतरा, 28 मई (एजेंसियां)। जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के विधायक मोहल्ला में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नैयना प्रवीण के रूप में हुई है। उसकी एक महीने पहले ही शादी हुई है। घटना बुधवार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, नैयना ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और दुष्ट के सहारे सीलिंग फैन से लटक गई। बताया जा रहा है कि बीच घटना के पीछे पति-पत्नी के बीच गोलगप्पे खाते को लेकर हुआ मामूली विवाद है।

जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के विधायक मोहल्ला में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नैयना प्रवीण के रूप में हुई है। उसकी एक महीने पहले ही शादी हुई है। घटना बुधवार की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, नैयना ने अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और दुष्ट के सहारे सीलिंग फैन से लटक गई। बताया जा रहा है कि बीच घटना के पीछे पति-पत्नी के बीच गोलगप्पे खाते को लेकर हुआ मामूली विवाद है।

पत्नी की तबीयत बिगड़ने पर नागदा पहुंचे कर्नाटक के राज्यपाल

उज्जैन, 28 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजनीति में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे सियासी घमासान के बीच कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलौत अचानक मुंबई से सीधे उज्जैन पहुंचने के नागदा स्थित अपने निवास पहुंच गए। उनके नागदा पहुंचने के बाद राजनीतिक हलकों में अटकलों का दौर तेज हो गया है।

जानकारी के अनुसार राज्यपाल गेहलौत की पत्नी अनीता गहलौत की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। बताया जा रहा है कि उनका ब्लड प्रेशर काफी बढ़ गया था, जिसके चलते राज्यपाल को मुंबई से सीधे नागदा आना पड़ा। पहले उन्हें चौधरी अस्पताल में डॉक्टरों को दिखाया गया, जिसके बाद फिलहाल घर पर ही डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। इधर कर्नाटक में मुख्यमंत्री

भूपेश बोले- धीरेंद्र से फ्यूल सस्ता कराने पर्वी निकलवाएं रामभद्राचार्य

बिलासपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं और धर्म संतों के बीच बयानबाजी चल रही है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री किरन रिजजू गोमांस खाते हैं, फिर भी मोदी जी ने उन्हें मंत्रिमंडल में रखा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या रामभद्राचार्य इसे उचित मानते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री पर तंज कसते हुए कहा कि, अपने चेले धीरेन्द्र शास्त्री से बोलकर पेट्रोल-डीजल कम करने की पर्ची निकलवा लें।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष चरणदास मंहत ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा था कि 'मैं रामभद्राचार्य को जगद्गुरु नहीं मानता, वे बीजेपी के प्रचारक हैं।' इससे पहले भूपेश बघेल पं. धीरेंद्र शास्त्री को बीजेपी का एजेंट कह चुके हैं।

वहीं, जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने चिरमिरी में रामकथा सुनाने के दौरान पलटवार किया था कि, 'कोई मेरे जगद्गुरुत्व को चुनौती देगा, तो मैं स्वीकार नहीं करूंगा।'

साल 2025 में भिलाई में आयोजित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कथा के दौरान बड़ा विवाद सामने आया था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश

कांग्रेस ने पहले बागेश्वर बाबा, अब रामभद्राचार्य को बीजेपी का एजेंट बताया



बघेल ने धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से कहा था कि “अगर हिंदू समाज को जोड़ना अंधविश्वास है, तो ऐसे लोग देश छोड़ दें।”

वहीं, भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि “जब धीरेंद्र शास्त्री पैदा भी नहीं हुए थे, तब से मैं हनुमान चालीसा पढ़ रहा हूं।” उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को बीजेपी का एजेंट तक बता दिया था। इसके बाद बीजेपी ने कांग्रेस पर हिंदू विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया था।

25 मई 2026 को नेता प्रतिपक्ष

चरणदास मंहत और सांसद ज्योत्सना मंहत मनेंद्रगढ़ पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत के दौरान चरणदास मंहत ने कहा कि रामभद्राचार्य धर्म के नाम पर राजनीति करने आए हैं और वे भाजपा के प्रचारक हैं। मैं उनको न जगतगुरु मानता हूं और न गांव का गुरु मानता हूं।

इसी मुद्दे पर कोरबा सांसद ज्योत्सना मंहत ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धर्म की आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए। मैं काम को ही धर्म मानती हूं। मेरे लिए जनता की सेवा सबसे महत्वपूर्ण है। मैं उनसे मिल चुकी हूं, उनकी कथा भी

21 दलों ने कमाई से ज्यादा खर्च किया, एडीआर की रिपोर्ट



अपनी ऑडिट रिपोर्ट वेबसाइट पर अपलोड नहीं की थी।

क्षेत्रीय दलों में सबसे ज्यादा आय तेलुगु देशम पार्टी यानी टीडीपी की रही। पार्टी ने 228.31 करोड़ रुपए की आय घोषित की, जो कुल आय का 19.14% है। इसके बाद ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस यानी एआईटीसी की आय 219.35 करोड़ रुपए और वाईएसआर कांग्रेस की आय 140.39 करोड़ रुपए रही।

खर्च के मामले में वाईएसआर कांग्रेस सबसे ऊपर रही। पार्टी ने 340.20 करोड़ रुपए खर्च किए।

गलवान तनाव के बाद फिर खुलेगा भारत-चीन व्यापार का रास्ता

पिथौरागढ़, 28 मई (एजेंसियां)। भारत-चीन सीमा पर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद बंद हुआ लिपुलेख व्यापार मार्ग अब फिर खुलने जा रहा है। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से 300 व्यापारियों की सूची विदेश मंत्रालय को भेजी गई है। बिना वीजा-पासपोर्ट के ट्रेड पास के जरिए व्यापारी तिब्बत के तकलाकोट बाजार तक पहुंचेंगे। खास बात यह है कि इस बार पहली बार सीमा तक सड़क पहुंचने से सामान घोड़े-खच्चरों की बजाय वाहनों से जाएगा।

सदियों पुराने इस व्यापारिक रास्ते का इतिहास सिर्फ कारोबार नहीं माना जा रहा। आदि कैलाश यात्रा से पहले ही सीमांत इलाकों

7 साल बाद लिपुलेख दर्रा से तकलाकोट जाएंगे भारतीय व्यापारी

के रिस्तों से भी जुड़ा है। कभी तिब्बती व्यापारी याक और भेड़ों के काफिलों के साथ नमक, ऊन और बोरेक्स लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी कपड़ा, अनाज और मसाले तिब्बत ले जाते थे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह सिलसिला लंबे समय तक बंद रहा, फिर 1991 में दोबारा शुरू हुआ और अब गलवान तनाव के बाद फिर पटरी पर लौट रहा है।

इस बार व्यापार खुलने का असर सिर्फ कारोबार तक सीमित नहीं माना जा रहा। आदि कैलाश यात्रा से पहले ही सीमांत इलाकों

की अर्थव्यवस्था में हलचल बड़ी है, अब व्यापार शुरू होने से ब्यास, दारमा और चौदस घाटी के लोगों को रोजगार और आय की नई उम्मीद दिख रही है। भारत और चीन के बीच रिस्तों में हाल के कूटनीतिक प्रयासों के बीच इसे भरोसे और संवाद बहाली के संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है।

हालांकि लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नेपाल की आपत्तियां और पुराना सीमा विवाद अब भी इस पूरे इलाके को रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील बनाए हुए हैं। विदेश मंत्रालय और चीनी

बलौदाबाजार हिंसा : भीड़ को उकसाकर 14 करोड़ का नुकसान कराया

बिलासपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने बलौदाबाजार हिंसा केस पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने 7-8 हजार लोगों की भीड़ को भड़काकर 13 से 14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

साथ ही पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ने वाले ऐसे गंभीर अपराध में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

इसी के साथ हाईकोर्ट ने बवाल, पथराव और कलेक्ट्रेट परिसर में आगजनी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल समेत 3 आरोपियों

सुन चुकी हूं, लेकिन जनप्रतिनिधियों को सेवा भाव में रहना चाहिए।

चिरमिरी के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में आयोजित रामकथा में हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में जगतगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि 'मेरे जगतगुरु होने का पूर्ण परीक्षण कर लें, मैं हर कसौटी पर खरा हूं।'

उन्होंने दावा किया कि सभी अखाड़ों और संत समाज ने उन्हें मान्यता दी है।

रामभद्राचार्य ने आगे कहा कि वह 'ऐसे-वैसे जगतगुरु नहीं' हैं और 22 भाषाओं में धारा प्रवाह बोल सकते हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि, 'जिन्हें राम से प्रेम करने वालों से दिक्कत है, उन्हें मिचीं लग रही है। जो राम जी से प्रेम करेगा उसे मेरा आशीर्वाद मिलेगा।'

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बिलासपुर दौरे के दौरान कहा कि पीएम मोदी जनता को पेट्रोल बचाने और सोना न खरीदने की सेवा सबसे महत्वपूर्ण है। मैं उनसे मिल चुकी हूं, उनकी कथा भी

रिटायर्ड पुलिस अफसर और आप नेता में फायरिंग

दोनों तरफ से गोलियां चलीं, हाथापाई में पाड़ी उतरी, तलवारे लहराई

अमृतसर, 28 मई (एजेंसियां)। अमृतसर में गाड़ी की पार्किंग को लेकर दिनदहाड़े खूनी झड़प हो गई। रिटायर्ड पुलिस अफसर और उनके पड़ोसी आप नेता आपस में भिड़ गए। बहस से शुरू हुआ झगड़ा हाथापाई, तलवारे लहराने से लेकर फायरिंग तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गोलियां चलाईं। झड़प के दौरान एक व्यक्ति की पागड़ी भी उतर गई। जिसके बाद कुछ युवक तलवारें लहराने लगे। फायरिंग में आप नेता और एक अन्य व्यक्ति को गोली लग गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। अमृतसर के एसपी (ईस्ट) देवेन्द्र सिंह ने बताया कि कोट आत्माराम इलाके में गुरुवार दोपहर डेढ़-2 बजे फायरिंग की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर जांच की गई।

सियासी भूचाल: सहकारिता मंत्री गौतम दक का कथित
ऑडियो वायरल, पुलिसवालों को 17 बार दी गालियां

कोटपटली-बहेरड़ी, 28 मई (एजेंसियां)। चंदवाजी थाना पुलिस ने मिलावटखोरां के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 645 किलो संयुक्त दौरी पनीर बरामद किया है। पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की मिलकर कार्रवाई में पनीर की 1.60 लाख रुपये कीमत का पनीर मौके पर ही नष्ट कराया गया। मामले में तीन युवकों को डिटेन किया गया है, जबकि पनीर से भरी पिकअप गाड़ी को जलत कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि नेशनल हाईवे पर अवैध गतिविधियों और मिलावटखोरां के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहापुरा रणवीर सिंह और सीओ जमनारामदास रामकिशन विश्‌नोई के निर्देशन में चंदवाजी थानाधिकारी नितिन चौधरी (आपीएसए प्रोबेशनर) के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर टीएसी पुलिसिया चंदवाजी के पास नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान मनोहरपुर की तरफ से आ रही पिकअप को रोककर जांच की गई। वाहन में रखे 12 आइस बॉक्स में भारी मात्रा में पनीर भरा हुआ मिला। पूछताछ में चालक ने अपना नाम जमील मेव बताया। उसको साथ तालिम मेव और वारिस मेव भी मौजूद थे। तीनों ने पनीर को जयपुर में बेचने के लिए एल जाणा स्वीकार किया। पुलिस ने तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। जांच के दौरान पनीर से तेज दुर्गंध आने और गुणवत्ता संदिग्ध लगने पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया।



आईपीएल 2027 : चेन्नई में एमएस धोनी आखिरी मैच खेलेंगे

सीएसके मैनेजमेंट ने दिया ‘थाला’ के रिटायरमेंट पर बड़ा अपडेट

चेन्नई, 28 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में एमएस धोनी एक भी मैच खेलते हुए नजर नहीं आए. धोनी अपने करियर के अंतिम दौर में हैं और फैस उन्हें बिना खेले रिटायर होते हुए नहीं देखना चाहते हैं. इसी वजह से अब धोनी के आईपीएल 2027 में खेलने की मांग उठाई जा रही है. एमएस धोनी ने अब तक अपने फ्यूचर को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है. सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने धोनी के आईपीएल 2027 में खेलने और रिटायरमेंट पर अपडेट दिया है.

आईपीएल 2026 से ठीक पहले एमएस धोनी को अभ्यास करते हुए पिंडली में खिंचाव महसूस हुआ. धोनी को इसी वजह से कुछ हफ्तों के लिए बाहर होना पड़ा. हालाँकि, धोनी समय पर



रिकवर नहीं कर पाए और इसी कारण उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला.

सीएसके टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज से बात करते हुए बताया कि धोनी अगला

सीजन खेल सकते हैं. अब तक उन्होंने धोनी से इस बारे में बात नहीं की है लेकिन आगे जरूर करेंगे. उन्होंने कहा, 'मेरी समझ में वह अगले सीजन वापसी करेंगे. अभी हमने उनसे इस विषय में बात नहीं की है लेकिन हमें उम्मीद है कि धोनी वापसी करेंगे.'

सीएसके सीईओ काशी विश्वनाथन ने बताया कि धोनी चेन्नई

में अपना आखिरी मैच खेलेंगे और वो चाहते हैं कि धोनी यह वादा जरूर निभाएं. काशी ने कहा, 'हम यह भी उम्मीद कर रहे हैं कि वह सीएसके फैस से किया अपना वादा निभाएंगे और अपना आखिरी

मैच चेन्नई में खेलेंगे.'

चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. पॉइंट्स टेबल में वो 8वें स्थान पर रहे. उन्होंने 14 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की, वहीं 8 मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा. इसी कारण वे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए.

आईपीएल 2026 में सीएसके के चेन्नई में आखिरी मैच के बाद एमएस धोनी ने फैस का अभिवादन किया था.

इसी बीच सुरेश रैना ने धोनी से मुलाकात की थी. रैना ने इसी बीच धोनी से अगले सीजन में खेलने का अनुरोध किया था, जिसके जवाब में थाला ने कहा था कि अब उनका शरीर साथ नहीं देता. बताया जाता है कि धोनी को घुटनों में समस्या है.

नॉर्वे चेस में प्रज्ञानानंदा ने कार्लसन को हराया

गुकेश लगातार दूसरे राउंड में हारे, दिव्या ने असाउबायेवा को हराया

ओस्लो (नॉर्वे), 28 मई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर बड़ा उलटफेर किया। वहीं, वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश लगातार दूसरे दौर में हार गए। अगले दौर में उनका सामना मैग्नस कार्लसन से होगा।

प्रज्ञानानंदा ने क्लासिकल मुकाबले में कार्लसन को हराकर तीन अंक हासिल किए। इस जीत से वे 4.5 अंक लेकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। विमेंस कैटेगरी में दिव्या देशमुख ने जीत का सिलसिला जारी रखा है। वे नंबर-2 पर हैं।

प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस में क्लासिकल फॉर्मेट में कार्लसन को



दूसरी बार हराया है। उन्होंने 2024 में भी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को मात दी थी। भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि मैच बेहद करीबी था और टाइम स्ट्रैम्बल में नतीजा किसी भी तरफ जा सकता था। सात बार के चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों की अंक तालिका में 1.5 अंक के साथ सबसे नीचे हैं। दूसरी ओर विश्व चैंपियन डी गुकेश की खराब फॉर्म जारी रही। फ्रांस के अलैरिजा फिरोजा ने उन्हें



आर्मगेडन मुकाबले में हराकर 1.5 अंक हासिल किए। करीब 5 घंटे तक चला क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा, लेकिन आर्मगेडन में फिरोजा ने बाजी मार ली। चोटिल होने के बावजूद फिरोजा शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मैच के बाद वह व्हीलचेयर और मून बूट में नजर आए। उन्होंने लगातार जीत दर्ज कर 7.5 अंक के साथ बढ़त मजबूत कर ली। गुकेश 3.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

उन्हें इस साल जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ विश्व चैं पि य न शि प मुकाबला खेलना है। महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने टूर्नामेंट लीडर बिबिसारा असाउबायेवा को आर्मगेडन में हराकर तीसरी टाइब्रेकर जीत दर्ज की। वह 4.5 अंक के साथ

दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं कोनरू हम्पी अन्ना मुजिचुक से हारकर दो अंक के साथ आखिरी स्थान पर हैं। चेस में आर्मगेडन एक 'सडन-डेथ' टाई-ब्रेकर गेम होता है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब कोई टूर्नामेंट या मैच ड्रा हो जाता है और परिणाम निकालना जरूरी होता है। इसमें ड्रा की कोई गुंजाइश नहीं होती।

फ्रेंच ओपन- नोवाक जोकोविच तीसरे राउंड में पहुंचे

रायबकिना उलटफेर का शिकार, स्वितातेक-स्वितोलिना अगले दौर में



पेरिस, 28 मई (एजेंसियां)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 वर्षीय जोकोविच ने फ्रांस के वैंलेंटाइन रोयर को चार सेट में हराया। वहीं महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलिना रायबकिना को बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा।

जोकोविच ने 74वीं रैंक वाले वैंलेंटाइन रोयर को 6-3, 6-2, 6-7 (7), 6-3 से हराया। करीब 3 घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले में रोयर ने उन्हें कड़ी चुनौती दी। तीसरे सेट के टाइब्रेकर में बैकहैंड चूकने के कारण

जोकोविच मैच जल्दी खत्म नहीं कर सके।

पेरिस में लगातार चौथे दिन तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। गर्मी के कारण जोकोविच चेंजओवर के दौरान गर्दन और सिर पर आइस पैक लगाते नजर आए। मैच के बाद उन्होंने कहा कि यह बेहद मुश्किल परिस्थितियों में खेला गया मुकाबला था और अनुभव ने उनकी काफी मदद की।

जीत के बाद जोकोविच ने अपना मशहूर 'वायलिन सेलिब्रेशन' किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब उम्मीद है टूर्नामेंट के बाकी हिस्से

में उनका सामना किसी और फ्रांसीसी खिलाड़ी से नहीं होगा।

इस जीत के साथ जोकोविच ने रोलॉ गैरो में फ्रांसीसी खिलाड़ियों के खिलाफ 14-0 का रिकॉर्ड बना लिया। वह लगातार 21वें साल फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे हैं।

विमेंस सिंगल्स में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलिना रायबकिना को यूक्रेन की यूलिया स्टोरोडुन्तसेवा ने 3-6, 6-1, 7-6 (4) से हराकर बाहर कर दिया।

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने सारा बेजलेक को 6-2, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

रोलॉ गैरो में यह उनकी 42वीं जीत रही। अब तीसरे दौर में उनका मुकाबला पोलैंड की मागडा लिनेट से होगा।

यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना और मार्टा कोस्त्युक की अगले दौर में पहुंच गई। स्वितोलिना ने कैटलिन क्वेवेदो को हराया, जबकि कोस्त्युक ने केटी वोलेट्स को मात दी।

मायशा परवेज ने कॉमनवेल्थ यूथ रैपिड चेस चैंपियनशिप जीती

अंडर-14 गर्ल्स कैटेगरी में पहले स्थान पर रहीं, लगातार 5 मैच जीते

कोलंबो, 28 मई (एजेंसियां)। भारत की उपरती चेस खिलाड़ी मायशा परवेज ने कॉमनवेल्थ यूथ रैपिड चेस चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। यह चैंपियनशिप 17 मई से 25 मई तक श्रीलंका के कालूतारा में खेले गईं।

14 साल की मायशा ने अंडर-14 गर्ल्स कैटेगरी के रैपिड चेस में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने 9 राउंड में 7.5 अंक हासिल किए। मायशा पहले नेशनल लेवल पर मेडल जीतकर अपने परिजान का नाम रोशन करती रही हैं।

मायशा पहले राउंड में मेजबान देश की येसांती विक्रमराचि से हार



गई। वे राउंड-1 के बाद 17वें स्थान पर थीं। यहां से मायशा ने लगातार 5 जीत हासिल करके दमदार वापसी की। वे छठे राउंड के बाद की टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई थीं। यहां उनके पास 5 अंक थे।

मायशा ने दूसरे राउंड में

श्रीलंका की विश्व विमुक्ति को हराया और पॉइंट्स टेबल में 6 अंक पायदान की बढ़त के साथ 11वें स्थान पर आ गईं। मायशा ने तीसरे राउंड में उदाणी साविनद्या, चौथे राउंड में सनुली यहांसा पेरेरा, 5वें राउंड में सेनुधी अहरया जयसिंघे और छठे में दिव्याश्री कोल्लीपारा को मात दी।

एफएएस मायशा ने 7वें राउंड में श्रीलंका की विमेन फीडे मास्टर सेथुमली देवहारा पल्लियागे को ड्रा खेलने पर मजबूर किया और अंक साझा किया। फिर 8वें राउंड में केजी देवली अंबिनादी चानसेया और एएफएम विनुदी दाहम्सा मड्डुमा पाता बेंडी को हराया।

म्युनिख (जर्मनी), 28 मई (एजेंसियां)। इशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता इशा ने आईएसएसएफ विश्व कप के दूसरे दिन भारत का पदक खाता खोला। 21 वर्षीय भारतीय निशानेबाज ने फाइनल में 43 अंक का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर मेजबान जर्मनी की पूर्व विश्व चैंपियन डोरीन वेनेकैं को पांच अंकों से पीछे छोड़ा। बुल्गारिया की मिरोस्लावा मिन्चेवा ने कांस्य पदक जीता। ओलंपिक शूटिंग रेंज में खेले गए फाइनल मुकाबले में इशा ने



शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने शुरुआती तीन सीरीज में परफेक्ट स्कोर लगाते हुए बाकी खिलाड़ियों पर बड़ी बढ़त बना ली। इशा ने दो वर्ष

पहले बाकू में कोरिया की किम ये-जी द्वारा बनाए गए 42 अंक के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया रिकॉर्ड कायम किया। इसके साथ ही उन्होंने यांग जिन के 41 अंक के जूनियर विश्व रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन यांग जिन इस

मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। इशा ने क्वालिफिकेशन के प्रिसिजन राउंड में 293 और रैपिड फायर राउंड में 294 अंक हासिल किए। कुल 587 अंक के

साथ उन्होंने फाइनल के लिए चौथे स्थान पर क्वालीफाई किया। भारत की अन्य निशानेबाज मनु भाकर और राही सरनोबत क्रमशः 582 और 581 अंक के साथ 12वें और 14वें स्थान पर रहीं।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद इशा सिंह ने कहा, 'म्युनिख मेरे लिए बहुत मायने रखता था। यहाँ पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धी बेहद कठिन होती है। शीर्ष-8 में जगह बनाना भी आसान नहीं होता। मैं यहाँ अपना तीसरा मौका खेल रही थी और इस बार जीतना चाहती थी।' फाइनल के दबाव पर उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल शांत नहीं थी। एक समय मेरा बायां हाथ कांप रहा था। काफी गहराहट थी, लेकिन हमारे खेल में आपको उसी

दबाव का सामना करना पड़ता है और अनुभव का मतलब भी यही होता है।'

महिलाओं की 50 मीटर राइफल थी पोजिशन्स स्पर्धा में आशी चौकसे फाइनल में पहुंचने से एक अंक से चूक गईं। उन्होंने 589 अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया। स्विट्जरलैंड की एमिली जेगी ने 590 अंक के साथ आठवां और अंतिम फाइनल स्थान प्राप्त किया। वहीं मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कियारा लियोन 587 अंक के साथ 28वें स्थान पर रहीं। अन्य भारतीय प्रतिभागियों में विदर्स विनोद ने 588 अंक के साथ 14वां और तिलोत्तमा सेन ने 583 अंक के साथ 48वां स्थान हासिल किया।

पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरु, 28 मई (एजेंसियां)। पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित ऑल ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। बेंगलुरु में उन्होंने 74.82 मीटर का भाला फेंका। सुमित ने यह कारनामा 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की जैवलिन थ्रो F64 स्पर्धा में किया।उन्होंने पांचवें प्रयास में यह उपलब्धि हासिल की। सुमित ने अपना ही पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने 2023 में चीन के हांगझोउ में हुए एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का श्रो किया था। इस बार उन्होंने अपने पिछले बेस्ट प्रदर्शन से 1.53 मीटर ज्यादा दूरी हासिल की।

रिकॉर्ड बनाने के बाद सुमित ने कहा, सोच रहा था कि वर्ल्ड रिकॉर्ड क्यों नहीं तोड़ पा रहा हूं। काफी समय हो गया था, लेकिन आज मैं यहां सिर्फ अपना पर्सनल बेस्ट करने

आया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुशी है कि मैंने अपना रिकॉर्ड 1.5 मीटर बेहतर किया। उम्मीद है कि मैं और मेरी टीम आने वाले पैरा एशियन गेम्स में भी इससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

सुमित अब तक सात बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने जून 2019 में इटली में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स में 60.45 मीटर का भाला फेंककर पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस मुकाबले में उन्होंने सिल्वर मेडल भी जीता था। इसके बाद नवंबर 2019 में दुबई में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 62.88 मीटर का श्रो किया। मार्च 2021 में

बेंगलुरु में हुई नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुमित ने 66.90 मीटर का श्रो कर फिर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

अगस्त 2021 में टोक्यो पैरालिम्पिक के फाइनल में सुमित ने एक ही मुकाबले में तीन बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 66.95 मीटर, 68.08 मीटर और आखिर

68.55 मीटर का श्रो किया। इसी प्रदर्शन के साथ उन्होंने गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद जुलाई 2023 में पेरिस में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुमित ने पहली बार 70 मीटर का आंकड़ा पार किया। उन्होंने 70.83 मीटर का श्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फिर

2023 में ही चीन के हांगझोउ में एशियन पैरा गेम्स में सुमित ने 73.29 मीटर का श्रो किया। सुमित को 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और 2022 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया। सुमित हरियाणा के सोनीपत से हैं और ओलंपिक मेडलिस्ट पहलवान योगेश्वर दत्त को अपना आदर्श मानते हैं। वहीं, जैवलिन स्टार नीरज चोपड़ा से भी उन्हें काफी प्रेरणा मिली है। पैरा जैवलिन दिव्यांग एथलीटों की भाला फेंक स्पर्धा है। इसमें खिलाड़ी दौड़कर भाले को ज्यादा से ज्यादा दूरी तक फेंकते हैं। F64 पैरा एथलेटिक्स में वे खिलाड़ी शामिल होते हैं जिनका पैर घुटने के नीचे से कटा होता है। इस वर्ग के खिलाड़ी कार्बन-फाइबर से बने कृत्रिम पैर का उपयोग करते हैं। इसी की मदद से वे दौड़ते और श्रो करते हैं।



फ्यूचर सिटी परियोजना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित कर रही सरकार : श्रीधर बाबू



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं विधायी कार्य मंत्री दुदुल्ला शीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार प्रतिष्ठित फ्यूचर सिटी परियोजना को भविष्य में विश्वस्तरीय वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के स्पष्ट विजन के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यहां लिए जा रहे प्रत्येक निर्णय और किए जा रहे हर कार्य को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। मंत्री श्रीधर बाबू ने राजस्व, आवास एवं सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ गुरुवार को प्रतिष्ठित फ्यूचर सिटी परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) कार्यालय भवन का निरीक्षण किया और चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

इस अवसर पर श्रीधर बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा 2 या 3 जून को एफसीडीए कार्यालय के उद्घाटन को लेकर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उद्घाटन से पूर्व कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए यह दौरा किया गया। मंत्री ने कहा कि आधुनिक आधारभूत संरचना के लिए मजबूत नींव रखी जा रही है और सरकार अपने कार्यकाल में फ्यूचर सिटी परियोजना को तेजी से पूर्ण कर जनता से किए गए वादों को निभाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य फ्यूचर सिटी को वैश्विक प्रभाव वाला शहरी केंद्र बनाना है। उन्होंने बताया कि यहां पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना और वैश्विक स्तर की सरकारी कार्यालय व्यवस्था विकसित करने की योजनाएं पहले से ही बनाई जा रही हैं। साथ ही युवाओं के कौशल

विकास को प्राथमिकता देते हुए विशेष कानून के माध्यम से यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। वहीं मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार फ्यूचर सिटी परियोजना को अत्यंत प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सप्ता संभालने के बाद से विभिन्न चुनौतियों और समस्याओं का सकारात्मक तरीके से समाधान किया है। उन्होंने कहा कि फ्यूचर सिटी केवल तेलंगाना ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक परियोजना के रूप में आकार ले रही है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य लाखों बेरोजगार युवाओं को रोजगार और नौकरी की सुरक्षा प्रदान करना है। सरकार

टीटीडी 4 से 6 जून तक वृक्ष सामग्री की करेगा ऑनलाइन नीलामी

तिरुपति, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी 4 जून से 6 जून तक तिरुमला श्रीवारी मंदिर तथा उससे संबद्ध अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित नई, उपयोग की गई और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त वृक्ष सामग्री की ऑनलाइन नीलामी आयोजित करेगा। नीलामी में 147 लॉट शामिल हैं, जिनमें नई आर्ट सिल्क साड़ियां और सिल्क साड़ियां भी शामिल रहेंगी। इनकी नीलामी ईए आईडी संख्या 25918 से 25923 के माध्यम से की जाएगी। आंध्र प्रदेश सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर पंजीकृत इच्छुक बोलीदाता इस ऑनलाइन नीलामी में भाग ले सकेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता टीटीडी के जनरल मैनेजर (ऑक्शन) / ईओ (ऑक्शन), हरे कृष्णा रोड, तिरुपति से संपर्क कर सकते हैं।

20 लाख इंदिरम्मा आवास बनाकर दिखाए कांग्रेस सरकार, तभी मांगे वोट : केटीआर



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। के.टी. रामाराव ने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के हैदराबाद में आवास निर्माण को लेकर दिए गए हालिया बयान पर तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस सरकार को चुनौती दी कि वह जनता से वोट मांगने से पहले 20 लाख इंदिरम्मा आवास बनाकर दिखाए। गुरुवार को जारी बयान में केटीआर ने मंत्री के उस पुराने बयान की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस 20 लाख इंदिरम्मा घर देने के बाद ही वोट मांगेगी। केटीआर ने उम्मीद किया कि क्या मंत्री में अपने शब्दों पर कायम रहने का साहस और

प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी चुनौतियां देकर बाद में जिम्मेदारी से बच निकलना कांग्रेस नेताओं की आदत बन गई है। केटीआर ने कहा कि केवल वादे और नाटकीय घोषणाएं काफी नहीं हैं। कांग्रेस सरकार को अपनी ईमानदारी और गंभीरता को कार्यों के जरिए साबित करना चाहिए। उन्होंने सत्तारूढ़ दल को चुनौती दी कि यदि उसमें वास्तव में प्रतिबद्धता और विश्वसनीयता है तो वह अपने चुनावी घोषणापत्र के हर वादे को पूरा करने की सार्वजनिक घोषणा करे। उन्होंने कहा, खोखली कसमें न खाएं। अगर क्षमता है तो वादे पूरे करके जनता को परिणाम दिखाएं।

बीआरएस नेता ने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार ने गरीबों के लिए सम्मान और स्वाभिमान के साथ घर बनाकर लाखों परिवारों के अपने घर के सपने को साकार

किया था। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस छोटे बाँक्स हाउस की बात करती है, वहीं बीआरएस सरकार ने गुणवत्तापूर्ण डबल बेडरूम आवास बनाकर देश के सामने एक मॉडल पेश किया। केटीआर ने दावा किया कि केवल हैदराबाद में ही बीआरएस सरकार ने लगभग एक लाख डबल बेडरूम मकान बनाए। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा बनाया गया प्रत्येक मकान गुणवत्ता और आकार के मामले में कांग्रेस के प्रस्तावित सात इंदिरम्मा घरों के बराबर है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी ने सम्मान और गौरव वाले घर बनाए। हमने खराब मानकों वाले माचिस के डिब्बे जैसे घर नहीं बनाए।

हमने गरीबों के लिए विशाल और सम्मानजनक आवास तैयार किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। कांग्रेस सरकार को खुली चुनौती देते हुए केटीआर ने कहा कि यदि सरकार में वास्तव में ईमानदारी और प्रशासनिक क्षमता है तो वह पूर्व सरकार पर आरोप लगाने के बजाय हैदराबाद में उससे भी बेहतर डबल बेडरूम आवास परियोजनाएं बनाकर दिखाए। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार पर शासन के नाम पर घरों को तोड़ने और गरीबों के लिए नए आवास निर्माण में विफल रहने का भी आरोप लगाया।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, दो घायल

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर के डॉक्टर्स कॉलोनी के पास गुरुवार तड़के एक तेज रफ्तार कार यू-टर्न ले रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। ट्रक इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद कार के एयरबैग खुल गए। कार चला रहे अशोक को मामूली चोटें आईं, जबकि उनके साथ मौजूद रियल एस्टेट कारोबारी मधु गौड़ (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए काफ़िनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलबी नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी ज्योतिष और वशीकरण के नाम पर साइबर ठगी

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाज सोशल मीडिया पर फर्जी ज्योतिष, तंत्र और वशीकरण सेवाओं के जरिए लोगों को ठग रहे हैं। इसको लेकर साइबरबाद पुलिस ने गुरुवार को जन चेतवनी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पुलिस के अनुसार टी इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक पर विज्ञापन देकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। वे आर्थिक परेशानी, पारिवारिक विवाद, प्रेम विवाह और व्यापार में लाभ जैसी समस्याओं का समाधान करने का दावा करते हैं। साइबरबाद साइबर क्राइम विभाग के डीसीपी टी साई मनोहर ने बताया कि पहले पीड़ितों से छोटी रकम ली जाती है, बाद में अलग-अलग बहाने बनाकर बड़ी रकम ट्रांसफर करने का दबाव बनाया जाता है। कई मामलों में ठगों द्वारा व्हाट्सएप कॉल और संदेश के जरिए धमकियां भी दी गई हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि साइबर अपराधी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, चोरी की तस्वीरें और नकली समीक्षाओं का इस्तेमाल कर लोगों को धोखा दे रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि ऐसे विज्ञापनों पर भरोसा न करें और किसी अजनबी के साथ अपनी निजी जानकारी, फोटो, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें।

पुलिस ने लापता महिला को परिवार से मिलाया

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मानसिक रूप से अस्थिर और शारीरिक रूप से दिव्यांग महिला को उसके परिवार से मिलाया गया। महिला गुरुवार को नाराखाना इलाके में भटकती हुई मिली थी। पुलिस के अनुसार डायल-100 पर सूचना मिलने के बाद गश्त पर तैनात कांस्टेबल जी. शंभु लिंगम और ठाकुर आशीष सिंह मौके पर पहुंचे और महिला को सुरक्षित पुलिस स्टेशन ले गए।

पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम पद्मा (45) बताया और नारायणपल्ली गांव का जिक्र किया। उसकी भाषा और जानकारी के आधार पर पुलिस ने गांव की पहचान वानापर्थी जिले में की और स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। जांच में पता चला कि महिला पिछले पांच दिनों से लापता थी। कुछ देर बाद उसका बेटा बी. नरेंद्र पुलिस स्टेशन पहुंचा और महिला को पहचाना। सत्यापन के बाद पुलिस ने महिला को सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। परिजनों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार जताया।

स्वास्थ्य मंत्री ने सनतनगर अस्पताल का निरीक्षण किया, जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने गुरुवार को हैदराबाद के सनतनगर स्थित टीआईएमएस अस्पताल का दौरा कर उद्घाटन की तैयारियों का निरीक्षण किया। मंत्री ने अस्पताल के सभी विभागों का गहन निरीक्षण करते हुए वहां स्थापित आधुनिक उपकरणों, चिकित्सा सुविधाओं, आधारभूत संरचना, प्रयोगशालाओं और ब्लड बैंक का जायजा लिया, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने इंजीनियरिंग अधिकारियों को अस्पताल में चल रहे सिविल कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए जा रहे इस अस्पताल में ड्रेनेज, स्वच्छता प्रबंधन और जलापूर्ति जैसी आवश्यक सेवाएं निरंतर संचालित होनी चाहिए। मंत्री

ने अस्पताल में आधुनिक इंटीरियर और लाउज सुविधाएं विकसित करने पर भी बल दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मरीजों के लिए निर्धारित विभागों में अत्याधुनिक सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अस्पताल में विश्वस्तरीय प्रयोगशाला स्थापित करने की निगरानी के लिए मंत्री ने डायरेक्टर ऑफ मेडिकल एजुकेशन (डीएमई), विभागाध्यक्ष और तेलंगाना मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के इंजीनियरिंग अधिकारियों की एक समिति गठित की। इसके अलावा मंत्री ने अधिकारियों को टीआईएमएस अस्पताल को पूर्ण रूप से संचालन में लाने के लिए शेष कार्यों की लागत का आकलन तैयार करने के निर्देश दिए। मैदानी निरीक्षण के बाद मंत्री ने प्रस्तावित प्रशासनिक भवन में समीक्षा बैठक भी की, जिसमें अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और लंबित निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने पर चर्चा की गई। उन्होंने राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सरकारी लक्ष्यों, अस्पताल प्रशासन और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

फिल्म टिकटों की मनमानी कीमत वृद्धि का सीपीआई नेता ने किया विरोध

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ सीपीआई नेता के. नारायण ने फिल्मों के टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी और बेनिफिट शो की बढ़ती प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि इससे आम लोगों पर अनुचित आर्थिक बोझ पड़ रहा है। फिल्म उद्योग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए कई फिल्म हस्तियों के मेगास्टार चिरंजीवी के आवास पर बैठक करने संबंधी खबरों का उल्लेख करते हुए नारायण ने कहा कि यह

दुर्भाग्यपूर्ण है कि चर्चा का केंद्र टिकट दरों में वृद्धि से होने वाली अतिरिक्त आय के बंटवारे पर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माता बड़े बजट का हवाला देकर बेनिफिट शो और टिकट दरों में बढ़ोतरी की विशेष अनुमति मांग रहे हैं, जबकि सरकारें भी इसे आसानी से मंजूरी दे रही हैं। उन्होंने कहा, सिनेमा मनोरंजन और संस्कृति का माध्यम है, लेकिन कला के नाम पर दर्शकों के शोषण का साधन नहीं बनना चाहिए।



नारायण ने कहा कि अब आम परिवारों को सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। उन्होंने सरकारों से फिल्म टिकटों की कीमत तय करने के लिए स्पष्ट और समान नीति बनाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अत्यधिक टिकट दरें और व्यावसायिकरण लोगों को आई बोम्मा जैसी वैकल्पिक देखने की संस्कृति की ओर धकेल रहे हैं, क्योंकि दर्शक सस्ते विकल्प तलाश रहे हैं।

ढाई साल में कांग्रेस सरकार ने लिया 4.14 लाख करोड़ का कर्ज

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने से पहले ही राज्य के बढ़ते कर्ज को लेकर चिंता बढ़ गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2023 से मई 2026 के बीच सरकार ने करीब 4.14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। जानकारी के अनुसार सरकार ने एफआरबीएम से जुड़े ऋणों के जरिए लगभग 1.94 लाख करोड़ रुपये और निगमों व विशेष प्रयोजन वाहनों के माध्यम से करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये का ऑफ-बजट ऋण जुटाया है। इसके अलावा हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना का जिम्मा लेने के बाद 15,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज भी लिया गया।

मार्च 2026 तक राज्य का बकाया एफआरबीएम सार्वजनिक ऋण 5.03 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि गैर-एफआरबीएम देनदारियां और गारंटी 3.01 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी हैं। वर्ष 2026-27 में एफआरबीएम ऋण और बढ़कर 5.62 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। विपक्ष ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना को कर्ज के जाल में धकेलने का आरोप लगाया है। अर्थशास्त्रियों ने भी चेतवनी दी है कि ऑफ-बजट ऋणों पर बढ़ती निर्भरता भविष्य में राज्य के वित्तीय बोझ को और बढ़ा सकती है।

मुहर्रम जुलूस में असली हाथी की जगह यांत्रिक हाथी शामिल करने की मांग



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुराने शहर में निकलने वाले बीबी-का-आलम मुहर्रम जुलूस में असली हाथी की जगह यांत्रिक हाथी शामिल करने की मांग उठी है। इसको लेकर पीटा इंडिया और अभिनेत्री व गायिका ज़हरा एस. खान ने तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड को वास्तविक आकार का यांत्रिक हाथी उपहार में देने की पेशकश की है। ज़हरा खान ने वक्फ बोर्ड को भेजे पत्र में कहा कि बंदी हाथियों को जंजीरों में बांधकर रखा जाता है और उनसे जबरन काम कराया जाता है। शोरागुल और भीड़भाड़ वाले माहौल में हाथी परेशान हो जाते हैं, जिससे लोगों की जान को भी खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने बताया कि यांत्रिक हाथी

बिना किसी पशु पीड़ा के असली हाथियों की तरह काम कर सकते हैं। ये पूंड उठाने, सिर हिलाने, पानी छिड़कने और लोगों को बैठाकर ले जाने में सक्षम हैं। पत्र में कहा गया है कि कई हिंदू और जैन मंदिरों के साथ-साथ शादियों में भी यांत्रिक हाथियों का उपयोग शुरू हो चुका है। ज़हरा खान ने कहा कि इस्लाम में जीवों के प्रति दया और करुणा का संदेश दिया गया है, इसलिए वक्फ बोर्ड इस दिशा में उदाहरण पेश कर सकता है। पीटा इंडिया ने दावा किया कि देशभर में 30 से अधिक यांत्रिक हाथियों का उपयोग हो रहा है और संस्था अब तक 26 यांत्रिक हाथी दान कर चुकी है।

ट्रिपल राइडिंग और खतरनाक ड्राइविंग पर पुलिस का अभियान, 1093 मामले दर्ज



हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि ट्रैफिक पुलिस ने ट्रिपल राइडिंग और खतरनाक ड्राइविंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 1,093 मामले दर्ज किए हैं। यह अभियान 27 मई को सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया गया। यातायात अधिकारियों के अनुसार

अभियान के दौरान कुल 13.09 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इनमें 633 संपर्क मामलों में 7.57 लाख रुपये और 460 गैर-संपर्क मामलों में 5.52 लाख रुपये का जुर्माना शामिल है। पुलिस के मुताबिक सभी ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों में बेगमपेट में सबसे अधिक 144 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद वनस्थलीपुरम में 129 और अलवाल में 121 मामले सामने आए।

मलकाजगिरि पुलिस ने कहा कि कमिश्नरेट क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया गया।